डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

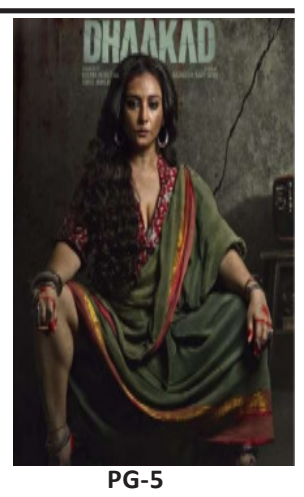

PG-5

सिनेमाः 'धाकड़' में दिव्या दत्ता ने अपने किरदार को लेकर की

वर्ष -08 अंक -66 | प्रयागराज, सोमवार 16 मई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

बाज नहीं आ रहा ड्रैगन सेना ने कहा- अरुणाचल सीमा पर सड़क

गुवाहाटी। भारतीय सेना की पूर्वी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कालिता ने सोमवार को कहा कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अरुणाचल प्रदेश में पूरी अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बुनियादी ढांचे की क्षमता में वृद्धि कर रही है। इसके तहत वह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के नजदीक अपने सड़क, रेल और हवाई संपर्क के साथ-साथ 5जी नेटवर्क को लगातार अपग्रेड कर रही है। पूर्वी कमान के जनरल आफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल कालिता ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भारत भी सीमा पर किसी भी हालात से निपटने के लिए अपने बुनियादी ढांचे और क्षमताओं को लगातार अपग्रेड कर रहा है। क्या है चीन की मंशा उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'तिब्बत क्षेत्र में एलएसी पर बुनियादी ढांचे का बड़े पैमाने पर निर्माण हो रहा है। दूसरा पक्ष अपने सड़क, रेल और हवाई संपर्क के साथ 5जी नेटवर्क को भी लगातार अपग्रेड कर रहा है ताकि किसी भी हालात में कार्रवाई करने और सेनाओं को मोबिलाइज करने में उसकी स्थिति बेहतर रहे।' चीन ने एलएसी के नजदीक बसाए गांव लेफ्टिनेंट जनरल कालिता ने कहा कि चीनी अधिकारियों ने एलएसी के नजदीक सीमावर्ती गांवों को भी बसाया है ताकि उनका दोहरे उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा, 'हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। हम भी अपने बुनियादी ढांचे व क्षमताओं के साथ साथ हालात से निपटने के लिए तंत्र को अपग्रेड कर रहे हैं। इससे हमारी स्थिति मजबूत हुई है।' खराब मौसम सबसे बड़ी चुनौति पूर्वी कमान के प्रमुख ने माना कि अग्रिम इलाकों में क्षमता एवं बुनियादी ढांचा वृद्धि में दुर्गम इलाके और खराब मौसम सबसे बड़ी चुनौतियां रही हैं। साथ ही उन्होंने जोर देकर करहा कि भारतीय सेना उच्चस्तर की आपरेशनल तैयारियों के साथ पूरी तरह तैयार है। पूर्वोत्तर के उग्रवादियों ने खोया वैचारिक समर्थन लेफ्टिनेंट जनरल कालिता ने कहा कि पूवीत्तर के उग्रवादी समूह अपना वैचारिक आधार खो चुके हैं। वे वसूली और हथियारों व ड्रग्स की तस्करी के दम पर अपना वजूद बनाए हुए हैं।

भारत-नेपाल के रिश्तों के इतिहास वर्तमान और भविष्य पर विशेष रिपोर्ट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेपाल की यात्रा पर हैं। बुद्ध पूर्णिमा पर होने वाली यह यात्र धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों की बेहतरी के साथ पड़ोसी देश से भारत के संबंधों को नए परिप्रेक्ष्य में मजबूत करने और गति देने का काम भी करेगी। कुछ समय पहले वहां के नए पीएम शेर बहादुर देउबा की भारत यात्र और अब भारत के पीएम मोदी का लुंबिनी दौरा रिश्तों को सहज कहने के साथ ही सामरिक और कूटनीतिक महत्व भी रखता है। भारत-नेपाल के रिश्तों के इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर नेशनल डेस्क की विशेष रिपोर्ट विश्व में आमतौर पर दो पड़ोसी देशों के बीच रिश्ते कारोबारी और कूटनीतिक होते हैं। सीमाएं जुड़ी होती हैं, लेकिन भारत और नेपाल के बीच रिश्ता इन सबसे अलग है। यहां रिश्ता केवल दो देशों की सीमा के बीच नहीं है बल्कि यहां रहने वाले लोगों से जुड़ा है। धार्मिक, सांस्कृतिक और खान-पान की साझा विरासत इतनी सशक्त है कि कभी विवाद होता भी है तो लोगों के सीधे जुड़े होने के कारण वह सुलझ भी जाता है। यही इन दोनों देशों के बीच भाईचारे के इस रिश्ते की खूबसूरती भी है और शक्ति भी। भारत की अति महत्वपूर्ण उत्तरी सीमा से सटा नेपाल सामरिक दृष्टि से भी बेहद अहम है। भारत के उत्तर में ही चीन की सीमा भी लगती है। नेपाल दोनों देशों से सटा हुआ है। आमतौर पर नेपाल के साथ भारत के रिश्ते मधुर ही रहे हैं, लेकिन केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में बनी सरकार के समय माहौल बिगड़ा या यूं कह सकते हैं कि बिगाड़ा गया। वर्ष 2020 में ओली सरकार ने नेपाल के नक्शे में बदलाव किया और भारत की सीमा में स्थित लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा पर अपना अधिकार जताया। राम-जानकी से जु.ड़े दोनों देश धार्मिक और सांस्कृतिक जुड़ाव की बात करें तो दोनों देशों के बीच रामायण सर्किट भी मित्रता का अहम बदु है। नेपाल में जनकपुर है तो भारत में सीतामढ़ी। ट्रेन चली है, आस्था और प्रगाढ़ होगी। बौद्ध परिपथ के माध्यम से भी दोनों देश धार्मिक रूप से जुड़े हैं। भगवान बुद्ध की शिक्षा को दोनों ही देशों में आस्था के साथ स्वीकार किया जाता है और बुद्ध पूर्णिमा पर पीएम मोदी की लुंबिनी यात्र दोनों देशों के धार्मिक रिश्ते के रंग को और चटख करेगी। बाबा पशुपतिनाथ मंदिर एक सशक्त पुल का काम करता रहा है। बिगड़ने नहीं चाहिए रिश्ते चीन का बढ़ रहा दखल कभी नेपाल के राजपरिवार के साथ संपर्क रखने वाले चीन ने बाद में अपनी विस्तारवादी नीति में नेपाल को भी मोहरा बनाने की तरफ कदम बढ़ा दिए। जब नेपाल में राजशाही समाप्त हो गई तो चीन ने वहां के राजनीतिक दलों पर पासा फेंका। नेपाल में भी कम्युनिस्ट विचारधारा वाले राजनीतिक दल असरदार हैं, ऐसे में चीन का प्रभाव बढ़ना स्वाभाविक था।ओली के सत्ता में आने से चीन के साथ नेपाल की करीबी और बढ़ी। वर्ष 2016 में ओली ने बीजिंग का दौरा किया जिसका उद्देश्य सीमा पर दोनों देशों के बीच आवागमन सुगम करना था। ओली की यात्र के तीन वर्ष बाद सीमा पर आवागमन मामले को लेकर एक प्रोटोकाल को स्वीकृति मिली जो नेपाल की पहुंच चीन के चार बंदरगाहों तक आसान करता था। इसके साथ ही चीन के तीन जमीनी पोर्ट तक भी नेपाल को पहुंचने की सुविधा प्रदान की गई। भारत के लिहाज से यह भी अहम है कि मार्च 2017 में चीन के रक्षा मंत्री पहली बार नेपाल के दौरे पर पहुंचे। यह सब सोची समझी रणनीति के तहत था क्योंकि इस दौरे के एक माह बाद ही नेपाल और चीन ने संयुक्त सैन्य अभ्यास किया।

महबूबा मूफ्ती ने कहा, 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म की वजह से बढ़ी जम्मू-कश्मीर में हिंसा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि विवेक अगिन्होत्री की निर्देशित 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म की वजह से जम्मू-कश्मीर में हिंसा की घटना बढ़ी है। उन्होंने आगे कहा कि इस फिल्म की वजह से केंद्र शासित प्रदेश में हिंसा को बढ़ी है। उन्होंने आगे यह भी दावा किया कि उन्होंने बतौर मुख्यमंत्री चरम अशांति के दौरान, कोई हत्या नहीं हुई थी, लेकिन कश्मीर फाइल्स फिल्म की वजह से फिर से हिंसा शुरू हो गई है। इसके अलावा, मुफ्ती ने ज्ञानवापी विवाद को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि 'वे (केंद्र) हमारी सभी मस्जिदों के पीछे पड़े हैं।

कश्मीरी पंडितों के लिए जम्मू-कश्मीर में एक सुरक्षित वातावरण बनाया था। बता दें कि कुछ दिनों पहले अनंतनाग में कश्मीरी पंडित सरकारी कर्मचारी राहुल भट की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मुफ्ती ने संवाददाताओं से कहा कि हमने कश्मीरी पंडितों के लिए एक सुरक्षित माहौल बनाया है। 2016 में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वे (केंद्र) वास्तविक विषयों से ध्यान हटाने के लिए हिंदू-मुस्लिम मुद्दे पैदा कर रहे हैं और अब ज्ञानवापी मस्जिद के पीछे हैं। वे हमारी सभी मस्जिदों के बाद हैं। हमारे भगवान जहां कहीं भी पूजा करते हैं, हमें उन सभी मस्जिदों की सूची दें जिन पर आप नजर रख रहे हैं।

ज्ञानवापी के बाद अब जामिया मस्जिद को लेकर उठी आवाज

मांड्या। कर्नाटक के मांड्या में स्थित जामिया मस्जिद (र्व्स्ीं र्ैरग्) को लेकर हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने इस जामिया मस्जिद में पूजा की मांग की है। साथ ही उन्होंने दावा किया है कि अंजनेया मंदिर को तोड़कर यहां जामिया मस्जिद बनाई गई है। दरअसल, हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कर्नाटक के मांड्या में स्थित जामिया मस्जिद में अंजनेया की मूर्ति की पूजा की अनुमति देने के लिए मांड्या के उपायुक्त को एक थी कि पुरातत्व विभाग को दस्तावेजों पर विचार करना चाहिए और मामले की जांच करनी चाहिए। उन्होंने मस्जिद परिसर में स्थित तालाब में सनन करने की अनुमति की भी मांग की है। वाराणसी की एक अदालत ने पिछले महीने पांच हिंदू महिलाओं द्वारा संयुक्त रूप से दायर एक मुकदमे पर अधिवक्ता आयुक्त अजय कुमार मिश्रा के माध्यम से परिसर का निरीक्षण करने का आदेश दिया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दीवानी न्यायालय के आदेश की

ज्ञापन दायर किया है। कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि संरचना मूल रूप से एक मंदिर थी, जिसे एक मस्जिद में परिवर्तित कर दिया गया था। उन्होंने मस्जिद में पूजा करने की अनुमति मांगी है। कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि अंजनेया मंदिर पर जामिया मस्जिद बनाई गई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि ऐतिहासिक प्रमाण है कि मस्जिद अंजनेया मंदिर थी। उन्होंने दावा किया कि टीपू सुल्तान ने फारस के राजा खलीफ को लिखे पत्र में इस बारे में लिखा था और मांग की पुष्टि की। बता दें कि इसके बाद 12 मई को वाराणसी अदालत ने तहखाने और बंद कमरों सहित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वीडियो सर्वेक्षण को फिर से शुरू करने का आदेश दिया था। ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे के तीसरे दिन सोमवार को साक्ष्?य के तौर पर शिवलिंग मिलने की बात सामने आई है। सर्वे के बाद हिंदू पक्ष के पैरोकार डा सोहनलाल ने बाहर आकर कहा कि अंदर बाबा मिल गए हैं। इस जानकारी के बाद कोर्ट ने जगह सील करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित है पूजा स्थल कानून की वैधानिकता

नई दिल्ली। पूजा स्थल (विशेष प्रविधान) कानून 1991 की वैधानिकता का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सुप्रीम कोर्ट ने कानून की वैधानिकता को चुनौती देने वाली भाजपा नेता और वकील अश्वनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर गत वर्ष 12 मार्च को सरकार को नोटिस भी जारी किया था। नोटिस जारी होने के बाद यह मामला दोबारा सुनवाई पर नहीं लगा न ही इस मामले में सरकार ने अभी तक कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया है। याचिका में उपाध्याय ने कई आधारों पर कानून की वैधानिकता को चुनौती है जिसमें प्रमुख रूप से कहा गया है कि यह कानून अदालत के जरिये अपने धार्मिक स्थलों और तीर्थो को वापस पाने के अधिकार से वंचित करता है। कानून आक्रांताओं के गैर कानूनी कृत्यों को कानूनी मान्यता देता है। यह कानून हिन्दू ला के सिद्धांत कि मंदिर की संपत्ति कभी समाप्त नहीं होती चाहे बाहरी व्यक्ति वर्षों उसका उपयोग क्यों न करता रहा हो, भगवान न्यायिक व्यक्ति होते हैं, का उल्लंघन करता है। कानून हिंदू, बौद्ध, जैन और सिखों को अपने पूजा स्थलों और तीर्थों का वापस कब्जा पाने से वंचित करता है जबकि मुसलमानों को वक्फ कानून की धारा सात के तहत ऐसा अधिकार मिला हुआ है। यह कानून भगवान राम और भगवान कृष्ण के बीच भेदभाव करता है इसमें राम जन्मस्थान को छोड़ दिया गया परन्तु मथुरा में कृष्ण जन्मस्थान को नहीं छोड़ा गया जबकि दोनों विष्णु के अवतार हैं। यह कानून अनुच्छेद 25 के तहत हिंदू, जैन बौद्ध और सिखों को धर्म के पालन और उसके प्रचार के मिले अधिकार को बाधित करता है। अनुच्छेद 26 में मिले धार्मिक स्थल प्रबंधन अधिकार को बाधित करता है।

पीएम मोदी ने नेपाली प्रधानमंत्री के साथ की द्विपक्षीय वार्ता

लुंबिनी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेपाल के आधिकारिक दौरे पर है। यहां उन्होंने अपने नेपाली समकक्ष शेर बहादुर देउबा के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच जलविद्युत, विकास और कनेक्टिविटी समेत कई मुद्दों को लेकर चर्चा हुई। पीएम मोदी सोमवार सुबह ही वायुसेना के हेलिकाप्टर से लुंबिनी पहुंचे। जहां उनका प्रधानमंत्री देउबा ने जोरदार स्वागत किया। नेपाल पहुंचने पर पीएम मोदी के स्वागत समारोह में नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के साथ उनकी पतनी आरजू देउबा भी मौजूद रहीं। नेपाल सरकार के कई मंत्रियों ने भी पीएम मोदी की गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं एक अन्य कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं ने बुद्ध जयंती के शुभ मौके पर लुंबिनी में बौद्ध संस्कृति और विरासत केंद्र का शिलान्यास किया। इससे पहले पीएम मोदी ने प्रसिद्ध माया देवी मंदिर में पूजा अर्चना की और भगवान बुद्ध के जन्म स्थान पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी बौद्ध रीति-रिवाजों के अनुसार आयोजित पूजा में भी शामिल हुए। साथ ही उन्होंने पीएम देउबा के साथ मंदिर से सटे अशोक स्तंभ पर दीप जलाए। गौरतलब है कि वर्ष 2014 में पीएम बनने के बाद से मोदी का ये पांचवा नेपाल दौरा है। साल 2014 में ही नेपाल दौरे के दौरान पीएम मोदी ने लुंबिनी को बोधगया से लाया गया बोधि वृक्ष का पौधा भेंट किया था। पीएम पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत उस पौधे में पानी भी डाला और मंदिर में मौजूद आगंतुक पुस्तिका पर भी हस्ताक्षर किए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेपाल यात्रा के दौरान आज कुल छह समझौता पर हस्ताक्षर किए गए और उनका आदान-प्रदान किया गया।

गेहूं का सरकारी स्टॉक अब और बढ़ाना नहीं होगा आसान, घरेलू बाजार में मिल रहा एमएसपी से अधिक मूल्य

नई दिल्ली। गेहूं खरीद में दनादन दी गई रियायतों के बावजूद सरकारी स्टॉक और बढ़ाना आसान नहीं होगा। घरेलू बाजार में कीमतों में गिरावट का रुख जरूर है, लेकिन कीमतें अभी भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक चल रही हैं। ज्यादातर किसानों ने अपना गेहूं निजी व्यापारिक प्रतिष्ठानों अथवा एमएसपी पर बेच दिया है। फंगस मुक्त घोषित राज्य मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान व महाराष्ट्र में निर्यातकों की आगे बढ़कर की गई खरीद और संबंधित राज्य सरकारों की सहूलियतों के चलते किसानों ने अपना स्टॉक निकाल दिया है। लिहाजा सरकारी एजेंसी एफसीआई को गेहूं के रूप में फिलहाल बहुत कुछ मिलने नहीं जा रहा है। गेहूं स्टॉकिस्टों को भी आने वाले दिनों में तेजी दिख रही है, जिसके चलते वे अपना स्टॉक निकालने की जल्दी में नहीं हैं। चालू रबी मार्केटिं?ग सीजन में गेहूं खरीद लेकर सरकार ने सिकुड़े, पतले और टूटे गेहूं के मानक को ढीला कर दिया है, ताकि जिन किसान अपने ऐसे स्टॉक को आसानी से बेच सकता है। सरकारी खरीद की अवधि को बढ़ा दिया गया है। लेकिन घरेलू मंडियों में अभी भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2015 रुपए प्रति क्विंटल से अधिक मूल्य पर गेहूं बिक रहा है। ऐसे में भला कोई क्यों सरकारी खरीद में हिस्सा लेगा। सरकारी स्टॉक में फिलहाल 1.90 करोड़ टन पुराना ओपेनिंग स्टॉक पड़ा हुआ है, जबकि चालू सीजन में अब तक 1.80 करोड़ टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। कुल 3.70 करोड़ टन गेहूं का स्टॉक है, जो पीडीएस समेत अन्य योजनाओं के लिए पर्याप्त है। सरकारी खरीद एजेंसी भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है 'केंद्रीय पूल में सर्वाधिक गेहूं की हिस्सेदारी करने वाले राज्य पंजाब व हरियाणा में सरकारी खरीद शुरू करने का कोई बहुत फायदा नहीं मिलेगा। लाख पचास हजार टन पतला या सिकुड़ा गेहूं ही सरकारी खरीद केंद्रों पर आ सकता है।' पंजाब में अब तक 95.67 लाख टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। जबकि राज्य में 1.32 करोड़ टन गेहूं खरीद का लक्ष्य था। जबर्दस्त निर्यात मांग और कीमतों के बढ़ने की संभावना के मद्देनजर घरेलू स्टाकिस्टों ने आगे बढ़कर खरीद की है। केंद्रीय पूल में दूसरा सबसे अधिक गेहूं देने वाले मध्य प्रदेश में कुल 1.28 करोड़ टन गेहूं के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले मात्र 41.57 लाख टन गेहूं की सरकारी खरीद हो सकी है। बाकी गेहूं निजी प्रतिष्ठानों ने खरीद लिया है। निर्यात के उद्देश्य से मध्य प्रदेश, गुजरात व राजस्थान को फंगस मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया है। निर्यात खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने निर्यातकों की खरीद को शुल्क मुक्त कर दिया था। सामान्य तौर पर मिस्त्र, तुर्की और इरान जैसे आयातक देशों ने करनाल बंट प्रभावित क्षेत्रों वाले गेहूं लेने से स्पष्ट मना कर दिया था। इसीलिए इन्हीं राज्यों में निर्यात वाले गेहूं की खरीद हो चुकी है। गेहूं खरीद में रही सही कसर उत्तर प्रदेश और बिहार से कुछ हद तक पूरी हो सकती है।

बढ़ता तापमान नौनिहालों के लिए बना मुसीबत

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

फूलपुर। मई की गर्मी अपने शबाब पर है बढ़ते तापमान 46/47 डिग्री जो बड़े बुजुर्ग नहीं झेल पा रहे हैं। तो प्राइमरी स्तर के स्कूलों नर्सरी आदि में पढ़ने वाले नौनिहालों का क्या होगा ? स्कूलों की टाइमिंग बच्चों के लिए मुसीबतों भरा साबित हो रहा है। जंघई प्रतापपुर का कक्षा 3 का छात्र शोएब अंसारी पिड़ौना स्कूल के कक्षा 4 का छात्र प्रियांशु प्रार्थना के समय बेहोश हो गया। रस्तीपुर में कक्षा पांच की छात्रा निधि प्रार्थना के समय बेहोश हो गई। बताया जा रहा है। कि सिरसा स्कूल की कक्षा 6 की छात्रा रानी विश्वकर्मा जो चकिया साथर के दशरथ की बेटी थी। उसे भी स्कूल में तपिश का शिकार होना पड़ा। जिसके चलतन उसे मेनेन्जाइटिस रोग ने जकड़ लिया।कथित रूप से उसका इलाज फूलपुर में कराया गया परन्तु बचाया नहीं जा सका। शिक्षा विभाग के आला अफसरानों से क्षेत्रीय लोगों ने इसका संज्ञान लेने तथा बच्चों हेतु राहत भरा कदम उठाने की मांग की है।

हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी के पुत्र पर हमला

(आधुनिक समाचार सेव)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी की कुछ समय पूर्व लखनऊ में उनके आवास पर हत्या हो गई थी सीतापुर के महमूदाबाद में उनके पुत्र सत्यम तिवारी पर हुआ हमला जैसे ही या खबर महमूदाबाद फैली हड़कंप मच गया पता चला कि वह किराने की दुकान पर कुछ सामान लेने गया था वही पहले से दो पक्षों में लड़ाई हों रही थी उसी में से एक ने उस पर चाकू से हमला कर दिया ,घायल सत्यम तिवारी को तुरंत सीएससी महमूदाबाद में ले जाया गया ।

चाणक्य इन्टरनेशनल स्कूल मनूकापुरा में आयोजित निःशुल्क समर कैम्प के पहले दिन बच्चों ने विभिन्न खेलों के माध्यम से खूब मस्ती एवम् धमाल मचाया

(आधुनिक समाचार सेव)

मेजा (प्रयागराज)। चाणक्य इंटरनेशनल स्कूल मनुकापूरा कैम्पस में आयोजित निःशुल्क पाँच दिवसीय समर कैम्प के पहले दिन बच्चों ने भिन्न-भिन्न खेलों में प्रतिभाग कर ख़ूब मस्ती एवम् धमाल किया । पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज चाणक्य इन्टरनेशनल स्कूल मनूकापुरा में समर कैम्प के पहले दिन क्रिकेट फूटबाल , बैडमिंटन , खो-खो कैरम , चेस , कम्प्यूटर गेम , म्यूजिकल चेयर ,डाँस , फ्राग जम्प , मिमिक्री वाल आन स्पून एवम् रिंग गेम में बच्चों ने प्रतिभाग कर खूब मस्ती एवम् धमाल मचाया । डाँस प्रतियोगिता में मानवी तिवारी अनन्या , ख़ुशी मिश्रा , श्रेया केशरी एवम् शैली अब्बल रहीं । इन बच्चियों के डाँस प्रस्तुति पर बच्चों ने खूब धमाल मचाया और अपनी - अपनी जगह थिरकने से अपने आपको नही रोक पाए । क्रिकेट प्रतियोगिता बरिष्ठ शिक्षक मंगला प्रसाद की देखरेख में सम्पन्न हुई जिसमें जूनियर कक्षाओं के ब्लू एवम् ग्रीन हाउस के बच्चों की एक संयुक्त टीम तथा रेड एवम् एलो हाउस के बच्चों की दूसरी संयुक्त टीम बनाकर क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया , जिसमें ब्लू एवम् ग्रीन हाउस की संयुक्त टीम ने टास जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए कुल 61 रन बटोरे , इसके बाद रेड एवम् एलो हाउस की संयुक्त टीम ने बल्लेबाज़ी की और मात्र 31 रन पर सिमट गई। इस प्रकार ब्लू एवम् ग्रीन हाउस संयुक्त टीम 30 रनों से विजयी घोषित हुई । क्रिकेट प्रतियोगिता में संकल्प , शुभान्कर बैभव केशरी , सार्थक , आरव श्रेयश एवम् हिमांशु ने बहुत अच्छा एवम् सराहनीय प्रदर्शन किया बैडमिंटन प्रतियोगिता वरिष्ठ शिक्षक आयुषी सिंह की देखरेख में सम्पन्न हुई जिसमें श्रेयांशी , प्राप्ति , सोनम रिचा , ख़ुशी , आर्या , प्रज्ञा मानवी एवम् त्रिशा का प्रदर्शन अत्यन्त सराहनीय रहा । कम्प्यूटर एक्टिविटी एवम् खो-खो प्रतियोगिता वरिष्ठ शिक्षक निधि मैम की देखरेख में सम्पन्न हुई जिसमें अनन्या ऐश्वर्या , आर्या , शैल , पिंकी सुनिधि , राधा एवम् साक्षी का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा । फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन वरिष्ठ शिक्षक डी एन तिवारी की देखरेख मे सम्पन्न हुआ जिसमें शौर्य युवराज , अहम एवम् शिवकान्त ने अच्छा प्रदर्शन कर खूब वाहवाही बटोरी । कैरम का आयोजन दीपा मैम , चेस का आयोजन ज्योति टंडन मैम तथा नर्सरी क्लासेज़ के खेलों का आयोजन वरिष्ठ शिक्षक बन्दना मिश्रा एवम् ज्योति श्रीवास्तव की देखरेख में सम्पनन हुआ । समूचे समर कैम्प में आयोजित सभी आयोजनों की निगरानी की जिम्मेदारी स्कूल के एडमिनेस्ट्रेटर सुधाश्रु मिश्र , प्रिन्सिपल सौविक सरकार एवम् कोआर्डिनेटर प्रशान्त श्रीवास्तव ने निभाई।

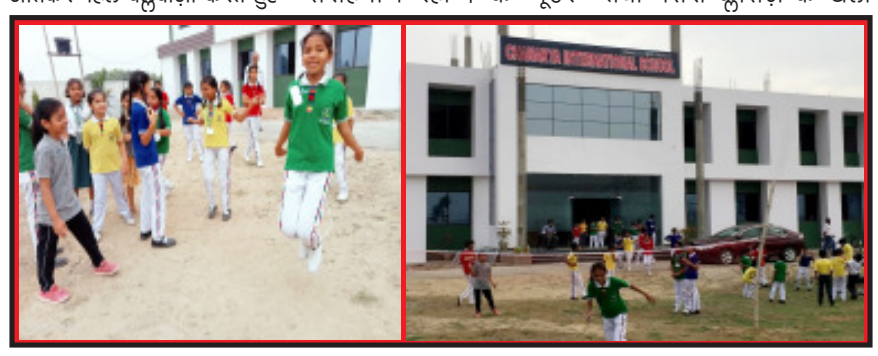

प्रयागराज पुलिस बना प्रदेश में नम्बर वन

(आधुनिक समाचार सेव)

प्रयागराज। पुलिस के पास आयी हर शिकायत के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान के मामले में तीर्थराज प्रयागराज की पुलिस आयी पूरे प्रदेश में अव्वल सम्मान और संवेदना के साथ सबकी सुनवाई लगातार यह प्रयास किया जा रहा है कि जहाँ एक तरफ़ पुलिस के पास आने वाले हर एक फरियादी की सुनवाई सम्मान और संवेदनशीलता के साथ की जाए, वहीं दूसरी तरफ़ फ़रियादियों की समस्या का समाधान समय से हो जाए ताकि किसी भी फ़रियादी को बार बार चक्कर ना काटना पड़े। निःस्वार्थ जन सेवा के सिद्धांत पर अमल जन सेवा के इसी सिद्धांत पर अक्षरशः अमल करते हुए सभी पुलिस टीमों ने मेहनत और लगन से मिलजुल कर काम किया और जो परिणाम आया वह पुलिस जनों का मनोबल बढ़ाने के साथ साथ पुलिस की छबि और पुलिस के प्रति जन विश्वास बढ़ाने वाला रहा। इससे ना केवल पूरे प्रदेश में प्रयागराज पुलिस का परचम बुलंद हुआ है, बल्कि पुलिस जनों के मनोबल में भी काफ़ी इज़ाफ़ा हुआ है। शुद्ध पेय जल और शौचालय की व्यवस्था यह भी बताना चाहूँगा कि सभी अधिकारियों के सम्मिलित प्रयासों से जिले के सभी थानों पर आने वाले सभी फरियादियों के बैठने की सुंदर व्यवस्था के साथ-साथ उन्हें शुद्ध पेय जल भी उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था भी सभी थानों पर मुकम्मल कर ली गयी है, और थाना परिसर में साफ़ सफ़ाई भी अब पहले से काफ़ी बेहतर हो गयी है।

एसएसपी ने सादे कपड़ों में तपोवन पार्क का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था को परखा

(आधुनिक समाचार सेव)
विलाश गुप्ता

प्रयागराज । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार पाण्डेय ने रविवार को सादे कपड़ों में कैंट स्थित तपोवन पार्क में और उसके आसपास शांति-व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने समूचे पार्क का भ्रमण करते हुए पार्क की शान्ति एवं सुरक्षा ब्यवस्था की जांच पड़ताल की। उनकी मौजूदगी के बारे में पार्क में तैनात सुरक्षा कमिर्यों के साथ वहाँ आए आमजन को भी भनक नहीं लगी । एसएसपी ने पार्क में कक्षा 10 के छात्र कुमार व 12वीं कक्षा के हरिओम मौर्या के साथ बैठकर बात किया और उनको सफलता के मूल मंत्र दिए। पार्क की सुरक्षा व्यवस्था जांच एसएसपी जब वहां से गए तब लोगो को उनकी उपास्थिती के बारे में जानकारी हुई।

शहरवासी अभी और गर्मी झेलने को रहें तैयार

(आधुनिक समाचार सेव)
विलाश गुप्ता

प्रयागराज । इन दिनों की गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया है। आसमान से दोपहर में बरसती सूर्य की किरणें आग जैसी शरीर को बेध रही हैं। लू के थपेड़े भी परेशान कर रहे हैं। न दिन में चैन है और न ही शाम को, रात में भी गर्मी अधिक है। ऐसे में आम जनजीवन प्रभावित हो गया है। भीषण गर्मी ने लोगों का हाल-बेहाल कर रखा है। पारा पिछले चार सालों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 47 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा छू रहा है। मौसम विभाग ने आगे आने वाले दिनों में भी हीट स्ट्रोक की चेतावनी जारी की है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण आने वाले दिनों में अभी और गर्मी झेलने को तैयार रहना होगा। 21 मई के बाद लोगों को गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं।

जयहिंद नेशनल पार्टी की सौहार्दपूर्ण वातावरण में राजनीतिक भेंटवार्ता

(आधुनिक समाचार सेव)

प्रयागराज। जयहिंद नेशनल पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक,(प्रबंधन समिति) श्री प्रदीप कुमार जायसवाल जी का प्रयागराज में श्रीमती जूही जायसवाल जी (समाज सेविका,अध्यक्षा,कुटुंब वेलफेयर एसोसिएशन,उत्तरप्रदेश) और डॉ.सुनील जायसवाल जी (आधिवक्ता, पूर्व सुप्रिटेंडेंट,रेलवे,प्रयागराज) से सौहार्दपूर्ण वातावरण में राजनीतिक भेंटवार्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष,डॉ.आशीष गई। श्रीमती जूही जायसवाल जी विभिन्न सामाजिक संगठनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ ही महिला सशक्तिकरण पर बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहीं हैं। और डॉ. सुनील जायसवाल जी भी विभिन्न सामाजिक कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहते हैं। श्रीमती जूही जी,एवम् डॉ. सुनील जायसवाल जी ने बड़ी आत्मीयता एवं तन्मयता से श्री प्रदीप कुमार जायसवाल जी से पार्टी के विचारों,उद्देश्यों एवं कायर्योजनाओं

श्रीवास्तव जी के कुशल दिशा-निर्देशन में प्रभुत्व जनसम्पर्क अभियान को जारी रखते हुए प्रयागराज में प्रतिभाशाली व्यक्तित्व से मुलाकात के क्रम में श्रीमती जूही जायसवाल जी(अध्यक्षा,कुटुंब वेलफेयर एसोसिएशन,उत्तरप्रदेश) और डॉ. सुनील जायसवाल जी (आधिवक्ता, पूर्व सुप्रिटेंडेंट रेलवे,प्रयागराज), से विभिन्न सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक बिंदुओं पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की के बारे में जाना और सराहा विशेषकर इमहिलाओं की सशक्तिकरण पर बल देना एवं पढ़े,लिखे,शिक्षित और भले लोगों को आगे बढ़कर देश की मुख्य धारा में अपनीअपनी सहभागिता सुनिश्चित करना होगा। अंततः श्रीमती जायसवाल जी एवम् डॉ. सुनील जी ने पार्टी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अपनी सहभागिता एवं प्रतिबद्धता जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया

प्रतापगढ़ के कुंडा में प्राथमिक स्कूल का गेट ढहने से छात्रा की मौत, एक और बालक जख्मी

प्रयागराज। प्रतापगढ़ जनपद के विकास खंड कुंडा के बानेमऊ प्राथमिक स्कूल का जर्जर गेट गिरने से कक्षा तीन की छात्रा वंदना की मौत हो गई जबकि एक और बालिका जख्मी हो गई। सुबह-सुबह इस अनहोनी से स्कूल में खलबली मच गई। सभी बच्चों को घर भेज दिया। पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी वहां पहुंच गए। बानेमऊ गांव निवासी अशोक कुमार चंडीगढ़ में रहकर चाय पान नाश्ते की दुकान चलाते हैं। यहां घर पर उनकी पतनी अमरावती देवी तीन बेटियों रेनू, रंजना और वंदना तथा दो बेटों संदीप और प्रदीप के साथ जीवन यापन रहती हैं। अशोक की एक बेटी नौ वर्ष की वंदना गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन की छात्रा थी। बुधवार की सुबह गांव के कुछ बच्चे 7:15 बजे ही विद्यालय पहुंच गए। वे विद्यालय का गेट पकड़कर झूलने लगे। इसी बीच विद्यालय का गेट पिलर के साथ भरभरा कर गिरने लगा तो अन्य बच्चे भाग निकले, जबकि वंदना मलबे की चपेट में आ गई। वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी होने पर ग्रामीणों के साथ परिवार के लोग पहुंचे और उसे उपचार के लिए सीएचसी कुंडा ले जाने लगे। तभी शिक्षक अरविंद कुमार पाठक भी वहां पहुंच गए। ग्रामीण स्वजनों के साथ घायल छात्रा को लेकर सीएचसी कुंडा पहुंचे जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही स्वजन रोने बिलखने लगे। उधर घटना की जानकारी होने पर नायब तहसीलदार भानू प्रताप सिंह भी मौके पर पहुंचे

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित
ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 30 मई 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

छब्बीस साल से एक परिवार में कैद है प्रधानी,फिरभी न नाली है, न खड़ंजा,न पीने का पानी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर की तिलौरी ग्राम पंचायत की प्रधानी 26 साल से एक ही परिवार में कैद है।कभी पति प्रधान होता है तो कभी पतने प्रधान होती है फिरभी इस गाँव के लोग नाली खड़ंजा और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। यह आरोप है इस ग्राम पंचायत के असद उल्लाह खान,शमशाद खान,रईश उर्फ कल्लू,एखलाख अहमद और मो0रिजवान का।इन ग्रामीणों ने आला अधिकारियों को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि इस गाँव का प्रधान कभी मोहम्मद अख्तर तो कभी उसकी पतने अख्तरुन निशा प्रधान होती है।प्रधान भले अख्तरुन निशा हो वह खुद प्रधानी करता है।लगभग 26 साल से एक ही परिवार में प्रधानी है।दबंग किस्म का यह प्रधान अपनी दबंगई से प्रधानी जीतता रहा है। वह मनमानी करता है।गाँव में न तो नालियाँ है,न खड़ंजे है, न पीने के लिए स्वच्छ जल की व्यवस्था है। लालता प्रसाद विश्वकर्मा का कहना है कि फितरत बाजी का यह आलम है इस ग्राम पंचायत में आज तक अनुसूचित जाति आरक्षित/पिछडा॰ सीट कभी नहीं आई है।यह प्रधान परिवार कहता है पिछड़ा वर्ग की आरक्षित सीट होने पर भी कुरेशी का पिछड़े का प्रमाण पत्र लगाकर चुनाव जीत लेगा।यही नहीं इस ग्राम पंचायत से तमाम अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी जातियों का पलायन भी हो चुका है।साथ ही गिरि परिवार का तीन दशक पहले इस ग्राम पंचायत से पलायन हो चुका है जो चर्चा का विषय रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सारे कार्य कागजी हैं एक ही कार्य के लिए कई बार धन की निकासी की गई है।कागज पर एक ही खड़ंजा की कई बार मरम्मत हुई है।नलों की रिपेयरिंग और रिबोरिंग दिखाई गई है जबकि वास्तविकता है कि उनकी रिपेयरिंग व रिबोरिंग न होकर केवल कागजों पर ही हुई है।इससे गाँव वाले परेशान है।मनरेगा के नाम पर भी यहाँ गोलमोल किया जाता है और जॉब कार्ड धारकों का शोषण होता है। उसकी दबंगई के आगे गाँव वाले उसके विरुद्ध बोलने को तैयार नहीं हो पाते।इस ग्राम पंचायत के दिव्यांग मोहम्मद आरिफ ने भी पूर्व में तहसील दिवस पर प्रार्थना पत्र देखकर आरोप लगाया था कि ग्राम प्रधान उसे राजनैतिक मनमुटाव के चलते आवास नहीं प्रदान कर रहा है लेकिन उसकी अभी तक नहीं सुनी गई।इस ग्राम पंचायत के बदरे आलम ने मोहम्मद आरिफ को व्यक्तिगत रूप से एक नल भी दिया था कि वह अपनी झोपड़ी के सामने लगवा ले जिससे उसे पीने का पानी मिल सके लेकिन मोहम्मद आरिफ का आरोप है कि ग्राम प्रधान ने यह कहकर कि वह जमीन ग्रामसभा की है उस पर वह नल नहीं लगाने दिया जिससे उसके परिवार के लिए पेयजल की भी समस्या बनी हुई है। बदरे आलम ने सूचना के अधिकार के तहत ग्राम पंचायत के विकास कार्यों एवं खर्च किए गए धन का पूरा लेखा-जोखा जन सूचना के माध्यम से उपलब्ध करवाने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था लेकिन बदरे आलम के अनुसार ग्राम प्रधान ने जानबूझकर उन सूचनाओं को अभी तक ग्राम विकास अधिकारी द्वारा प्रदान नहीं करने दिया। लिहाजा मामला सूचना आयुक्त के यहाँ वाद के रूप में दर्ज हुआ है जिसकी तारीख 30 मई को बताई जाती है।ग्रामीणों का कहना है कि इस ग्राम पंचायत में दबंगई से प्रधानी करना और ग्राम का विकास न करना शासन के धन का दुरुपयोग करना है।अतः योगी सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए और इसे संज्ञान में लेकर तत्काल विधिक कार्यवाही करना चाहिए। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधान की आमदनी दिन दूना रात चौगुना होती जा रही है जबकि ग्रामीण शासन के लाभ से वंचित होकर कठिनाई में जीवन यापन कर रहे हैं। इस ग्राम पंचायत के छोटे लाल कोरी का कहना है कि उन्हें भी जानबूझकर आवास नहीं दिया जा रहा है।वहीं रामदास गड़रिया का आरोप है कि उनसे आवास में बीस हजार रूपये लिए गए है।इसी तरह तमाम ग्रामीणों ने अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए इस ग्राम प्रधान के मनमाने पन को बतलाया है।

जनसम्पर्क विभाग, पूर्वोत्तर रेलवे,गोरखपुर

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्त्वावधान में पहली बार अखिल भारतीय रेल (पुरूष) क्रिकेट चैम्पियन शिप आयोजित किया गया है। 16 से 21 मई, 2022 तक रेलवे क्रिकेट ग्राउंड, गोरखपुर एवं सेन्ट एण्ड्रयूज डिग्री कॉलेज क्रिकेट ग्राउंड,गोरखपुर में खेली जा रही। चैम्पियन शिप का शुभारम्भ सोमवार को रेलवे क्रिकेट ग्राउण्ड में प्रातः मुख्य अतिथि अध्यक्ष, पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ श्री योगेश मोहन ने किया। इसके पूर्व, मुख्य अतिथि ने उद्घाटन मैच खेलने वाली मध्य रेलवे एवं मेजवान पूर्वोत्तर रेलवे की टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अध्यक्ष, पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ श्री योगेश मोहन ने कहा कि क्रिकेट हमारे देश में एक जुनुन है,जिसे आम लोगों द्वारा भी बहुत पसन्द किया जाता है।इस टूर्नामेन्ट में प्रतिभागी टीमों में रणजी ट्राफी एवं आईपीएल.खेले हुए राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ ही अनेक उदीयमान खिलाड़ी भाग ले रहे है, जिससे इस टूनामेन्ट में टीमों के मध्य बहुत कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों में खेल भावना हमेशा बनी रहनी चाहिये। महासचिव,पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह ने अपने स्वागत सम्बोधन में कहा कि भारतीय रेल की शीर्ष 08 टीमें इस प्रतियोगिता में भाग ले रही है, जिसमें अनुभवी तेजतर्रार खिलाड़ियों के साथ उदीयमान खिलाड़ी भी भाग ले रहे है। रेलवे क्रिकेट ग्राउण्ड के नवीनीकरण के बाद यहां पहली बार इस प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील की कि प्रतियोगिता में खेल की भावना के साथ भाग लें और अच्छा प्रदर्शन करें। उन्होंने क्रिकेट चैम्पियनशिप के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उद्घघाटन मैच मेजवान पूर्वोत्तर रेलवे ने कड़े मुकाबले में मध्य रेलवे को मैच के अन्तिम गेद पर 01 रन बनाकर 01 विकेट से हरा कर एवं सेन्ट एंड्रयूज डिग्री कालेज के मैदान

पर खेले गए एक अन्य मैच में पश्चिम रेलवे ने पश्चिम मध्य रेलवे को 104 रन के बड़े अन्तर से हराकर सेमी फानइल में प्रवेश किया। पंकज कुमार सिंह मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी गोरखपुर के अनुसार रेलवे क्रिकेट ग्राउण्ड में मध्य रेलवे एवं मेजवान पूर्वोत्तर रेलवे के बीच 40 ओवरों का क्वार्टर फाइनल-। मैच में मध्य रेलवे के कप्तान अमित ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निणय्य लिया। मध्य रेलवे के प्रवीन ने 85 गेदों पर 11 चैकों एवं 01 छक्के की सहायता से सर्वाधिक 92 रन बनायें, जो कि रजत की गेद पर कैच आउट हुए। नीलकंठ ने 47 गेदों पर 04 चैकों एवं 01 छक्कके के सहयोग से शानदार 45 रन बनाये। सचिन कटारिया ने 26 गेदों पर 10 रन, विनीत ढाका ने 03 चैकों की मदद से 23 रन, मनीष राव 01 छक्के की मदद से नाबाद 14 रन, सागर ने 01 चैके की मदद से 14 रन तथा औसाद बिना रन बनाये नाबाद रहें। 04 खिलाड़ी दहाई की संख्या में नहीं पहुॅच सके। गेदबाजी करते हुए पूर्वोत्तर रेलवे निशान्त राय ने 05 ओवरों में 35 रन देकर 01 विकेट, शिवम दीक्षित ने 08 ओवरों में 34 रन देकर 02 विकेट, रजत ने 08 ओवरों में 32 रन देकर 03 विकेट, सौरभ ने 03 ओवरों में 21 रन देकर 02 विकेट लिया। इस प्रकार मध्य रेलवे ने निर्धारित 40 ओवरों में 09 विकेट खोकर कुल 217 रन बनायें। 218 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पूर्वोत्तर रेलवे के अनु ने 31 गेदों पर 03 चैकों की मदद से 21 रन, सौरभ दूबे ने 19 गेदों पर 01 चैके की मदद से 12 रन, उपेन्द्र यादव ने 28 गेदों पर 02 चैकों की मदद से 31 रन, प्रशान्त अवस्थी ने 27 गेदों पर 02 चैकों की मदद से 23 रन, युवराज सिंह ने 09 गेदों पर 01 चैकें की मदद से 11 रन तथा शुभम् चैबे ने अपनी शानदार पारी में 01 चैके एवं 03 छक्के की मदद से नाबाद 62 रन एवं निशान्त राय ने 44 गेदों पर 03 चैके एवं 01 छक्के की मदद से शानदार 45 रनों का योगदान दिया। मध्य रेलवे के गेदबाज सागर ने 07 ओवरों में 47 रन देकर 01 विकेट, मनीष राव ने 07 ओवरों में 39 रन देकर 01 विकेट, सलिल ने 08 ओवरों में 44 रन देकर 01 विकेट, औसफ ने 08 ओवरों में 29 रन देकर 02 विकेट तथा विनीत ने 05 ओवरों में 19 रन देकर 01 विकेट लिया। इस प्रकार पूर्वोत्तर रेलवे ने रोमांचक मुकाबले में 01 विकेट से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेन्ट एण्ड्रयूज डिग्री कालेज, गोरखपुर के मैदान पर खेले गये एक अन्य मैच पश्चिम रेलवे एवं पश्चिम मध्य रेलवे के बीच मैच खेला गया, जिसमें पश्चिम मध्य रेलवे ने टॉस जीत कर पश्चिम रेलवे को पहले बल्लेबाजी करने हेतु आमंत्रित करने का निणय्य लिया। बल्लेबाजी करते हुए पश्चिम रेलवे के मृणाल देवधर ने 46 गेदों पर 09 चैको एवं 01 छक्के की मदद से सर्वाधिक 75 रन, समरथ ने 34 गेदों पर 06 चैकों एवं 01 छक्के की मदद से शानदार 44 रन, ओम जायसवाल ने 16 गेदों पर 03 चैकों एवं 01 छक्के की मदद से 30 रन तथा विनायक ने 24 गेदों पर 01 चैके एवं 01 छक्के की मदद से 25 रनों का योगदान दिया। इसके अतिरिक्त पश्चिम रेलवे के असद पठान ने 19, सौरभ ने 16, आर. टेलर ने 10 रन अपनी टीम के लिये बनाये। गेदबाजी करते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के चन्द्रकान्त ने 5.5 ओवरों में 60 रन देकर 02 विकेट तथा सनने भटनागर ने 08 ओवरों में 48 रन देकर 02 विकेट के अतिरिक्त आदर्श सिंह, सुशील कुमार, अयन चैधरी तथा आशुतोष शर्मा ने 01-01 विकेट प्राप्त किया। 232 रनों के विशाल स्कोर का पीछ करने उतरी पश्चिम मध्य रेलवे की टीम 26.4 ओवरों में मात्र 152 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी, जिसमें आशुतोष शर्मा ने 47 गेदों पर 04 चैकों एवं 03 छक्कों की मदद से 36 रन, अंकुश सिंह ने 16 गेदों पर 04 चैकों एवं 03 छक्कों की मदद से 35 रन तथा अयन चैधरी ने 40 गेदों पर 02 चैकों एवं 01 छक्के की मदद से 29 रनों का योगदान दिया। अन्य कोई भी खिलाड़ी दहाई की संख्या में नहीं पहुॅच सका। पश्चिम रेलवे के गेदबाज ओम जायसवाल ने 05 ओवरों में 24 रन देकर 03 विकेट, हितेश ने 5.5 ओवरों में 19 देकर 03 विकेट, मंजूल ने 04 ओवरों में 21 रन देकर 02 विकेट तथा विनायक ने 07 ओवरो में 40 रन देकर 02 विकेट लिया। इस प्रकार पश्चिम रेलवे 104 रनों से विजयी हुई।17 मई, 2022 को रेलवे क्रिकेट ग्राउण्ड में उत्तर रेलवे एवं पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे तथा सेन्ट एन्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर मेट्रो रेलवे एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बीच मैच खेला जायेगा।

वाराणसी में गंगा पार टेंट सिटी के लिए आई पांच कंपनियां
पर्यटन उद्योग को मिलेगा बढ़ावा

वाराणसी । पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए गंगा पार (रामनगर की ओर) बसाई जाने वाली टेंट सिटी के लिए पांच कंपनी सामने आई हैं। पांचों कंपनियों की ओर से आए प्रोजेक्ट आफ प्रपोजल (आरओपी) पर अगले सप्ताह वीडीए प्रेजेंटेशन के जरिए देखेगी। उन कंपनियों से बेहतर इनपुट लेकर वीडीए निविदा (टेंडर) निकालेगी। चयनित कंपनी को नवंबर से पहले हरहाल में टेंट सिटी को तैयार कर देना है। टेंट सिटी के लिए आरओपी की अंतिम तिथि 15 मई थी। हालांकि, कोई और कंपनी आएगी तो वीडीए विचार कर सकती है। काशी में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए गंगा पार टेंट सिटी बसाने की तैयारी तेज हो गई है। मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल ने प्रस्ताव को धरातल पर उतारने के लिए वीडीए उपाध्यक्ष ईशा दुहन को जिम्मेदारी सौंपी है। पयर्टन, बिजली, केंद्रीय जल आयोग, जल निगम, गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई, रामनगर पालिका

प्रशासन के साथ ही 13 विभागों की जिम्मेदारी भी तय हुई है। शहर में देश-विदेश से आ रहे पर्यटकों के लिए वर्तमान में ठहरने की कमी को ध्यान में रखते हुए विकास प्राधिकरण की ओर से गंगा किनारे उस पार रेती में टेंट सिटी की परिकल्पना की जा रही है। यह टेंट सिटी मानसून के बाद नवंबर से फरवरी माह के बीच संचालित होंगे। टेंट सिटी में ठहरने के लिए स्विस काटेज, गेमिंग जोन, रेस्टोरेंट, डायनिंग एरिया, कांफ्रेंस स्पाट, योग केंद्र, लाइब्रेरी, आर्ट गैलरी के अलावा वाटर स्पोर्ट्स, कैमल व हार्स राइडिंग आदि है। यहां पर रात में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। गंगा पार रेती में अस्थायी टेंट सिटी बसाने की तैयारी जोरों पर है। पर्यटन को धार देने के लिए टूरिज्म पैकेज की घोषणा की जाएगी जिससे अधिक से अधिक पर्यटन काशी आएं। प्रोजेक्ट आफ प्रपोजल के तहत फिलहाल पांच कंपनियां आगे आई हैं। अगले सप्ताह उनका प्रेजेटेंशन देखा जाएगा।

आजमगढ़ में महाराष्ट्र के सपा अध्यक्ष अबू आसिम आजमी बोले देश में श्रीलंका जैसे हालात पैदा हो सकते हैं

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र के अध्यक्ष अबू आसिम आजममी का रविवार को सठियांव मे स्वागत विधायक अखिलेश यादव ने किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी नेता ने केंद्र के साथ राज?य सरकार और आरएसएस पर जमकर हमला बोला। इस दौरान उन?होंने नफरत फैलाने और देश को तोड़ने का आरोप भाजपा पर

लगाने के साथ ही लोगों से अपील किया कि देश को बचाना है तो जागना होगा। महाराष्ट्र के सपा नेता अबू आसिम मऊ जनपद के बन्दी कला गांव में एक वैवा?हिक समारोह मे शामिल होने कार से जा रहे थे। सठियांव पहुंचने पर दिन में लगभग साढ़े ग्यारह बजे विधायक अखिलेश यादव व समर्थकों ने सपा कार्यालय में उनका स्वागत किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के अध्यक्ष अबु आसिम आजमी ने कहा कि आरएसएस के लोग मुसलमानों को बदनाम कर नफरत फैला रहे है। देश को तबाह बर्बाद करने का आरोप मुसलमानों पर लगा रहे हैं। इतिहास को तोड़ मरोड़कर पेश कर रहे है। देश को तोड़ने के लिए नफरत फैला रहे हैं। देश को बचाने के लिए नफरत नहीं अमन चैन और भाईचारा फैलाने की जरूरत है।देश टूटेगा तो हिन्दू -मुसलमान सभी लोग बर्बाद होंगे। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में मोदी और अमित शाह अम्बानी अडानी को आगे बढ़ा रहे हैं। देश में हालात ठीक नहीं है। चौपाल लगा कर देशवासियों को जगाने की जरूरत है। कहा कि मैं नहीं बल्कि देश के अर्थशास्त्रियों का कहना है कि देश में श्रीलंका जैसे हालात पैदा हो सकते हैं। इसलिए देश को बचाना है। आगामी लोकसभा के मध्यावधि चुनाव के बारे में पार्टी के बारे में पूछने पर टाल गए और कहा कि मेरी कुछ कहने की हैसियत नहीं है। इसके बारे हमारे मुखिया राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी बता सकते हैं। इस अवसर विधायक अखिलेश यादव,जियाउल्लाह अंसारी, बहादुर यादव, अम्बार अदीवी, रमेश गोंड,च न्दन यादव आदि लोग मौजूद रहे। वहीं उन्होंने कई अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की।

अवधेश राय हत्याकांड अजय राय की गवाही से बढ़ी मुख्तार अंसारी की मुश्किलें

गाजीपुर । माफिया मुख्तार अंसारी की मुश्किलें दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। एक तरफ शासन के एंटी माफिया अभियान के तहत चौतरफा कार्रवाई की जा रही है तो, इधर

विभिनन्यायालय में लंबित मुकदमों में अब सुनवाई भी तेज हो गई है। इसी के तहत वाराणसी के चर्चित अवधेश राय हत्याकांड के मामले में गवाह अजय राय अपने गवाही देने के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच पेश हुए और न्यायाधीश के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया।मुख्तार अंसारी और राय परिवार की अदावत काफी समय से चली आ रही है। बता दें कि तीन अगस्त 1991 को लहुराबीर क्षेत्र में स्थित आवास के गेट पर ही अवधेश राय के ऊपर ताबड़तोड़ फायरिंग कर उनकी हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पूर्व विधायक अजय राय ने मुख्तार अंसारी सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में अजय राय की अदालत मे गवाही की कार्रवाई चल रही थी कि इसी बीच इलाहाबाद स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में मुकदमा स्थानांतरित हो गया। बाद में हाईकोर्ट के आदेश पर उक्त मुकदमे की सुनवाई पुनः स्थानीय विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) की अदालत में की जाने लगी। शासकीय अधिवक्ता नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि वर्ष 1996 में गाजीपुर के शहर कोतवाली में मुख्तार अंसारी के विरुद्ध गैंगस्टर के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस गैंग चार्ट में अन्य मुकदमों के साथ वाराणसी में तीन अगस्त 1991 को हुए अवधेश राय हत्याकांड भी शामिल था। सोमवार को अधिवक्ता हड़ताल पर थे। बावजूद इसके गवाही कराई गई है और अगली तिथि 25 मई को तय की गई है। अपनी गवाही दर्ज कराने के बाद मीडिया से बातचीत में अजय राय ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट में मुख्तार अंसारी के खिलाफ गवाही दी, जिसमें न्यायाधीश ने हमारी गवाही करवाई। निश्चित रूप से न्यायालय के ऊपर हमें पूरा भरोसा है। हमें न्याय मिलेगा और मुख्तार अंसारी को सजा होगी। उन्होंने बताया कि मुख्तार अंसारी पर 1996 में गैंगस्टर लगा था और उसी मामले में हमें यहां बुलाया गया था। हमारा बयान सरकारी वकील ने दर्ज कराया। कोर्ट निश्चित रूप से ऐसे दुर्दांत अपराधियों को सजा देगी।

अज्ञान का धुंध हटाता ज्ञान का कूप, स्कंद पुराण में ज्ञानवापी को बताया गया काशी का मूल केंद्र

वाराणसी। ज्ञानवापी सदियों से काशी विश्वनाथ दरबार का अभिनन्न अंग रहा है। 2021 में भव्य-नव्य श्रीकाशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद ज्ञानवापी मस्जिद की ओर सबका ध्यान गया, जिसके परिसर में श्रृंगार गौरी और अन्य देवी-देवताओं के विग्रह कैद में पड़े थे। विश्वनाथ दरबार का अर्थ ही है, बाबा विश्वनाथ के मुख्य विग्रह के आसपास अन्य देवी-देवताओं के छोटे-बड़े मंदिरों और उनमें उनके विग्रह का अस्तित्ववान होना। यह जग विदित है कि विश्वनाथ मंदिर का ध्वंस अतीत में किसी आक्रांता शासक द्वारा कराया गया था। यह भी सत्य है कि ज्ञानवापी मस्जिद के परिसर में स्थित श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन का अधिकार माननीय न्यायालय द्वारा व्यास जी को दिया गया था। प्रतिवर्ष एक तिथि विशेष पर श्रृंगार गौरी को जलाभिषेक करने का आग्रह लिए कुछ शिवसैनिकों की गिरफ्तारी और फिर रिहा होने की खबरें भी आती रहती थीं। ज्ञानवापी के बगल में स्थित विशाल नंदी का मुख ज्ञानवापी मस्जिद की ओर (उत्तर दिशा में) है। नंदी शिव की उपस्थिति के प्रतीक हैं। जहां नंदी होते हैं, वहां शिवलिंग या शिव विग्रह अवश्य होता है। ज्ञानवापी और नंदी का मस्जिद के पास होना, साथ ही श्रृंगार गौरी का मस्जिद

परिसर के भीतर होना बहुत पहले से ही हिंदुओं के भीतर उद्वेलन तो पैदा कर ही रहा था। 21वीं सदी के 21वें वर्ष में कुछ महिलाओं ने श्रृंगार गौरी के नियमित पूजन-अर्चन के लिए न्यायालय से अनुमति मांगी तो सच्चाई जानने के लिए न्यायालय ने मई 2022 में मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश पारित कर दिया। सर्वेक्षण में क्या आया, क्या मिला, यह मेरे इस लेख का प्रतिपाद्य नहीं है। मैं बस ज्ञानवापी पर कुछ चर्चा करना चाहती हूं। हमारे पास इतिहास का सबसे बड़ा प्रमाण हमारे पौराणिक ग्रंथ और प्राचीन साहित्य हैं। स्कंद पुराण के काशी खंड में वर्णन है कि ज्ञानवापी काशी का मूल केंद्र है। इस पुराण के काशी खंड के 34वें अध्याय में 36, 37, 38 एवं 39वां श्लोक ज्ञानवापी के माहात्म्य पर है। 36वें श्लोक में स्पष्ट लिखा है कि विश्वेश्वर के दक्षिण में ज्ञानवापी स्थित है। वर्तमान स्थिति में यह काशी विश्वनाथ के उत्तर दिशा में हो गया है। स्पष्ट है कि मूल विश्वनाथ मंदिर के ध्वंस के बाद जब विश्वनाथ जी की पुनः स्थापना हुई और मंदिर निर्माण हुआ तो ज्ञानवापी और नंदी उत्तर भाग में हो गए। नंदी का मुंह मस्जिद की ओर होने का तात्पर्य ही है कि शिवलिंग वहां था और इस प्रकार ज्ञानवापी की भी स्थिति उस समय वहां स्थित विश्वेश्वर के दक्षिण दिशा में थी, जैसा कि स्कंद पुराण में वर्णित है- ज्ञानवापीं ददर्शाथ श्री विश्वेश्वर दक्षिणे (स्कंद पुराण, काशी खंड, अध्याय 34, श्लोक 36)।

मुंबई-गुजरात हाईवे पर सुपारी से भरा कंटेनर लूटने वाला आजमगढ़ में गिरफ्तार.....

आजमगढ़ । मुंबई-गुजरात हाईवे पर सुपारी से भरे कंटेनर को लूटने के आरोपित जावेद उर्फ जौवाद को महाराष्ट्र की क्राइम ब्रांच एवं वाराणसी एसटीएफ ने संयुक्त आपेरशन में आजमगढ़ के सिधारी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। वारदात के बाद से ही आरोपित के पीछे लगी क्राइम ब्रांच की टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लुटेरों के गिरोह का एक सदस्य आजमगढ़ में सिधारी थाना क्षेत्र के मोहल्ला शेखाना छतवारा में अपने मामा के यहां छिपकर रह रहा है। हत्थे चढ़े आरोपित ने पूछताछ में बताया कि पजेरो गाड़ी से सुपारी लदे कंटेनर को कब्जे में लेने के बाद उसके चालक व हेल्पर को हाथ-पैर बांध जंगल में फेंक दिए थे। आरोपित को मुंबई ले जाने के लिए पुलिस टीम विधिक कार्यवाही में जुटी हुई है। लूट की वारदात बीते 17 फरवरी की रात मुंबई के पेल्लार पुलिस स्टेशन अंतर्गत मुंबई-गुजरात हाईवे पर हुई थी। केस दर्ज होने के बाद पुलिस छानबीन में जुटी तो जावेद उर्फ जौवाद के बारे में जानकारी हुई। पता चला कि आरोपित आजमगढ़ के जीयनपुर थाना क्षेत्र के धरहरा गांव का निवासी है। छानबीन में जानकारी हुई कि ड्राइवर व हेल्पर को बंधक बनाकर घटना को अंजाम दिया गया है।

जावेद उर्फ जौवाद

आजमगढ़ में सीपू हत्याकांड के 7 आरोपितों को आजीवन कारावास, 2013 को हुई थी पूर्व विधायक समेत दो की हत्या

आजमगढ़। पूर्व विधायक सर्वेश सिंह सीपू हत्याकांड के मुकदमे में अदालत ने मंगलवार को माफिया ध्रुव कुमार सिंह कुंटू समेत सात आरोपितों को आजीवन कारावास व 50-50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। इसमें कुंटू को कासगंज जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग पर सजा की जानकारी दी गई। पूर्व विधायक समेत दो लोगों की 19 जुलाई 2013 की सुबह जीयनपुर कस्बे में गोली मारकर हत्या के मामले में सुनवाई पूरी करते हुए अदालत ने 10 मई को नौ आरोपितों को दोषसिद्ध करार दिया था।इसमें बयान मुल्जिम के बाद मोहम्मद रिजवान और विजय यादव के फरार होने के कारण अदालत ने उनकी पत्रावलि अलग कर दी, जबकि बयान मुल्जिम के समय अरविंद कश्यप तथा अभिषेक सिंह की फाइल पहले ही अलग कर दी गई थी। यह फैसला विशेष सत्र न्यायाधीश गैंगस्टर कोर्ट रामानंद ने मंगलवार को सुनाया।अभियोजन के अनुसार जीयनपुर बाजार में पूर्व विधायक सर्वेश सिंह उर्फ सीपू तथा रौनापार थाना क्षेत्र के मऊ कुतुबपुर निवासी भरत राय की जीयनपुर कस्बे में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इस मामले में जीयनपुर पुलिस ने जांच प्रारंभ की तथा ध्रुव सिंह समेत ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू समेत 11 आरोपितों के विरुद्ध चार्जशीट न्यायालय में प्रेषित किया था। इसी दौरान शासन के निर्देश पर सीबीआइ ने भी मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सीबीआइ ने पुलिस की जांच को आगे बढ़ाते हुए दो अन्य आरोपितों दुर्ग विजय तथा शिव प्रकाश का नाम जोड़ते हुए कुल 13 आरोपितों ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू, संग्राम सिंह, मोहम्मद रिजवान,अरविंद कश्यप, विजय यादव, अभिषेक सिंह, शिव प्रकाश उर्फ प्रकाश यादव, राजेंद्र यादव, रामप्रवेश, मृत्युंजय, दिनेश, कन्हैया उर्फ गिरधारी के विरुद्ध चार्जशीट न्यायालय में प्रेषित किया। एक आरोपित रामप्रवेश उर्फ बिट्टू के नाबालिग होने के कारण उसकी पत्रावली अलग कर के किशोर न्यायालय बोर्ड भेज दी गई, जबकि एक अन्य आरोपित कन्हैया उर्फ गिरधारी को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। मुकदमे के अंतिम चरण में बयान मुलजिम के समय अरविंद कश्यप तथा अभिषेक सिंह फरार हो गए, जबकि मोहम्मद रिजवान व विजय यादव बयान मुल्जिम के बाद फरार हो गए। अभियोजन पक्ष की तरफ से संतोष सिंह उर्फ टीपू, यशवंत सिंह उर्फ गप्पू सिंह तथा वंदना सिंह समेत 21 गवाहों को परीक्षित कराया गया।

105 ग्राम हेरोइन के साथ एक तस्कर गिरफ्ता क्राइम ब्रांच व करमा पुलिस को मिली बड़ी सफलता

(आधुनिक समाचार सेव)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र । मुखबिर की सूचना पर शनिवार को करमा बाजार के इमलीपुरा चौराहे से पुलिस ने किया एक तस्कर को गिरफ्तार। कृष्णपाल पुत्र लीला सिंह देदामई, सासनी-हाथरस हाल पता वार्ड नं0 1 मलिन बस्ती रेलवे कॉलोनी-रेनुकूट को पुलिस ने किया गिरफ्तार।पुलिस ने गिरफ्तार तस्कर की तलाशी के दौरान 105 ग्राम हेरोइन, 4500/- नकद व एक मोबाइल फोन किया बरामद।एएसपी विनोद कुमार ने रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में प्रेस कांफ्रेन्स कर किया मामले का खुलासा।एएसपी ने बताया कि बाराबंकी से हेरोइन लाकर रेनुकूट में बेचता है तस्कर।बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में 11 लाख रुपये कीमत है।उत्कृष्ट कार्य करने वाली पुलिस टीम को एसपी ने 10 हजार रुपये नकद पुरस्कार से किया गया पुरस्कृत।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला में कुल 30 मरीजों का किया गया जांच व बनाया गया आयुष्मान काड

(आधुनिक समाचार सेव)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। आज रविवार की भांति इस रविवार को भी नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुरमुरा में मुख्यमंत्री आरोग्य में स्वास्थ्य मेला का आयोजन निर्धारित समय पर प्रारंभ हुआ। मेले में कुल 30 मरीजों का पंजीकरण हुआ जिसमें कुल 12 पुरुष एवं 18 महिलाएं सामिल रहीं 05 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया तथा 03 मरीजों की कि मलेरिया जांच हुई साथ ही आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया। इस आरोग्य मेला में गुरमुरा तथा आसपास के मरीज पठिहव

,जवारीडाड छिकराडाड, तथा कैमहा पान, के मरीजों की निशुल्क जांच तथा दवा दी गई ।इस दौरान आरोग्य मेला में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हरिकांत सिंह डॉक्टर निशात बानो आयुष महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ हिमांशु यादव चिकित्सा अधिकारी रामनिरंजन सिंह नेत्र परीक्षण अधिकारी सरोज स्टाफ नर्स पशुपतिनाथ उपाध्याय रामप्रवेश सोनी ए एन एम तथा आशा उपस्थित रहे

800 मीटर सड़क बनाने में लग गए 15 साल

बीजपुर (सोनभद्र) । म्योरपुर ब्लाक में एक ऐसा मार्ग है जो पिछले 15 वर्षों से बनाया जा रहा है लेकिन वह आज तक पूरा नहीं हो पाया। बीजपुर बाजार से शांतिनगर, महुआबारी, सिरसोती को जोड़ने वाला करीब 12 सौ मीटर लंबा संपर्क मार्ग अब भी अपूर्ण है।यहां चार सौ मीटर सड़क आज तक नहीं बन पाया। इसको लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बीजपुर बाजार से सिरसोती को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग को 15 वर्ष पूर्व जरहा के जिला पंचायत सदस्य केदार नाथ यादव ने पंचायत कोटे से शुरू कराया था। उस वक्त 400 मीटर सड़क सीसी बनवाया गया था। दस साल बाद पिछले पंचवर्षीय योजना में ग्राम पंचायत बीजपुर कोटे से भी चार

सौ मीटर सड़क का सीसी निर्माण कराया गया। सड़क पूरी होने में अधूरी बची करीब चार सौ मीटर सड़क अब बजट के कारण लटक गई है। ग्रामीण रामकृपाल, मोहनराम, संतोष, अशोक पाल, दिनेश, रामराज, बसंत ने बताया कि सरकार गांव के विकास के लिए पानी की तरह पैसा खर्च कर रही है। बावजूद 800 मीटर की सीसी सड़क बनाने में 15 वर्ष लग गए। इसके बाद भी यह सड़क आज तक आधा अधूरा ही है। ग्रामीणों का आरोप है कि रात दिन इसी संपर्क मार्ग से महुआबारी, शांतिनगर, सिरसोती टोले के सैकड़ों लोग प्रतिदिन सफर करते हैं। सबसे अधिक समस्या बरसात के समय में होती है। जब लोग बाजार से अपने घर जाते समय गिरकर चोटिल होते हैं।

रेनुकूट/पिपरी मार्केट से 06 बाल श्रमिकों को बाल श्रम से कराया गया मुक्त

(आधुनिक समाचार सेव)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। मिशन शक्ति पेज 4 0 के अंतर्गत मई माह के ऑपरेशन मुक्ति अभियान के तहत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देश के क्रम में निर्धारित अभियान के तहत रेणुकूट/ पिपरी मार्केट से 06

नाबालिग बाल श्रमिकों को बालश्रम से मुक्त कराया गया जिसमें 02 बालिका व 04 बाल , महिला शक्ति केन्द्र से जिला समन्वयक साधना मिश्रा, जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र शेषमणि दुबे ओआरडब्लूयू व मानव तस्करी रोधी इकाई सोनभद्र से निरीक्षक रामजी यादव, कांस्टेबल धनंजय ,अमन द्विवेदी द्वारा रेणुकूट/ पिपरी मार्केट में क्वालिटी स्वीट्स रेस्टुरेंट ,गर्ग हार्डवेयर ,बिहारी ब्रदर्स मिस्ठान भंडार आदि दुकानों ,बस स्टैंड का चेकिंग किया गया चेकिंग के दौरान रेणुकूट/पिंपरी मार्केट मे नाबालिग बालकों द्वारा दुकानो पर बाल श्रम कराते हुए पाए गए बाल श्रमिकों के संबंध में मौके पर उपस्थित मालिकों/ कार्मिकों से बालकों/ बालिकाओं के उम्र के संबंध में साक्ष्य चाहा गया परंतु उनके द्वारा कोई भी साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया जिसमें प्रथम दृष्टया देखने पर उक्त सभी बालक/ बालिका नाबालिक प्रतीत हो रहे थे जिसके कारण टीम द्वारा थाना पिंपरी पर सम्बंधित चार नियोक्ताओं के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया साथ ही सभी बाल श्रमिकों को मुक्त कराते हुए बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु ले जाया गया ।

नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से डाला चौकी इंचार्ज व नव निर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने बढ़ाया कदम

(आधुनिक समाचार सेव)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय डाला नगर के सेक्टर सी हनुमान मंदिर के प्रांगण में स्थित खाली कमरे को डाला चौकी इंचार्ज व नव निर्माण

सेना के कार्यकर्ताओं ने कमरे सहित मंदिर प्रांगण का साफ सफाई किया गया आज रविवार सुबह लगभग नौ बजे के करीब डाला चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर ने अपने स्टाफ व नव निर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने मिलकर गरीबो के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से डाला नगर पंचायत के सेक्टर सी हनुमान मंदिर प्रांगण में स्थित कमरे सहित आसपास की झाड़ियों को काटकर साफ सफाई किया जिससे की बच्चों के बैठने योग्य हो सकें और जल्द से जल्द निःशुल्क कोचिंग सेंटर चालू किया जा सके इस दौरान नव निर्माण सेना के कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं जोश दिखाई दिया व जहां पुरा प्रदेश महंगी शिक्षा के मार को झेल रही है वहीं डाला चौकी इंचार्ज गरीबों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य को लेकर एक एक कदम अग्रहर होते हुए दिखाई दिए। इस दौरान अंशु पटेल, संजय गुप्ता, सर्वेश पटेल, गोबिंद भारद्वाज, डब्लू पांडेय, श्रीकांत पांडे, विकास जैन, मोहित पाठक, दिलखुम अंसारी, प्रंसात पाल, गंगा सागर चौधरी, व डाला चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर उनके सहयोगी स्टाफ रविकांत यादव, महेंद्र यादव, प्रवेंद्र राय, आलोक पांडेय, आदि आसपास के रहवासियों सामिल रहें।

कक्षा पांच उत्तीर्ण कर 10 हजार से अधिक बच्चों ने छह में नहीं लिया प्रवेश

सोनभद्र। जिले में बच्चों के विद्यालयों में प्रवेश को लेकर अभिभावक रूचि नहीं ले रहे है। कक्षा पांच से छह में व कक्षा आठ से नौ में प्रवेश लेने वाले विद्याथिर्यों की संख्या पहले की तुलना में कम हो गई है। कक्षा पांच पास करने के बाद करीब 10 हजार बच्चों ने कक्षा छह में प्रवेश ही नहीं लिया। इसमें सबसे खराब स्थिति राब?र्ट्सगंज, घोरावल व करमा ब्लाक की है। उधर, महज 203 माध्यमिक विद्यालयों ने ही कक्षा आठ पास कर नौ में प्रवेश लेने के संबंध में सूचना डीआइओएस कार्यालय को उपलब्ध कराई है। सीडीओ डा. अमित पाल शर्मा ने पिछले दिनों समीक्षा के दौरान बच्चों के प्रवेश दर में कमी होने पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने डीआइओएस, बीएसए को नामांकन दर को सही कराने का निर्देश दिया है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि किसी भी कमी के चलते बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कम न हो। प्रवेश दर में कोई कमी नहीं आए और कक्षा पांच पास कर छह में तथा कक्षा आठ पास कर नौ में प्रवेश लेने वाले बच्चों का शत-प्रतिश नामांकन किया जाए। फिर भी इन दोनों कक्षाओं में नामांकन को लेकर अब भी बड़ा गैप है। सूत्रों की मानें तो पिछले सत्र में बेसिक शिक्षा परिषद का प्रवेश दर करीब 89 फीसदी था, जो अब महज करीब 71 फीसदी है। र्ष 2018 के यह दर 72 फीसदी से भी कम थी। ब्लाकवार प्रतिशत में राब?र्ट्सगंज, घोरावल व करमा अधिक प्रभावित कर रहा है। इसी तरह कक्षा आठ पास कर नौ में प्रवेश लेने वाले बच्चों की संख्या में

गैप है। माध्यमिक शिक्षा विभाग को नामांकन संबंधी सूचना महज 203 माध्यमिक व उच्च माध्यमिक (निजी, सरकारी) मान्यता प्राप्त विद्यालयों ने उपलब्ध कराई है। किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में प्रवेश नहीं लेने वाले छात्रों का तैयार करें विवरण मुख्य विकास अधिकारी डा. अमित पाल शर्मा ने जिला विद्यालय निरीक्षक व बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया है कि वे ऐसे छात्रों का विवरण तैयार करें जो अब तक किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त विद्यालय में प्रवेश नहीं ले सके है। किसी भी हाल में बच्चे प्रवेश से वंचित न रहें और प्रवेश दर को सही रखा जाए ताकि बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जा सके।

जांच में बंद मिला जल जीवन मिशन का कार्य, कंपनी को काली सूची में डालने की चेतावनी

खलियारी (सोनभद्र) । कृषि उत्पादन आयुक्त व अपर मुख्य सचिव (एसीएस) ग्राम्य विकास पंचायती राज मनोज कुमार सिंह ने रविवार को विकास कायी की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान कई अनियमितता पकड़ी गई। जल जीवन मिशन का कार्य बंद होने से नाराज एसीएस ने कंपनी को काली सूची में डालने की चेतावनी दी। अपने दौरे के दूसरे दिन एसीएस ने जल जीवन के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान कई जगहों पर कार्य बंद मिलने पर नाराजगी

जाहिर की। ढोसरा में एक माह से काम बंद मिला तो डोरिया में महज छह मजदूर काम करते मिले। उन्होंने चेताया कि यदि समय से मिशन का निर्माण पूरा नहीं हुआ तो संबंधित कंपनियों को ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा।एनसीएल जयंत क्षेत्र के रो ा गार्डन में संवाद कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएमडी ने युवा पेशेवरो को मेहनत व धैर्य के साथ कार्य करने को कहा। काम को सीखने, कंपनी के लक्ष्य के साथ स्वयं को एकीकार करने, काम की जिम्मेदारी लेकर आनंद के साथ समय से पूरा करने के लिए पूरी क्षमता का प्रयोग करने के गुरुमंत्र दिए। कहा कि युवा अधिकारियों पर देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की एक बड़ी जिम्मेदारी है। इसके लिए समर्पित रहें। उन्होंने हरित खनन को बढ़ावा देने व सड़क मार्ग से कोयला प्रेषण को न्यूनतम करने के लिए सभी के समेकित प्रयास पर जोर दिया। युवा अधिकारियों ने तकनीकी प्रशिक्षण, श्रमशक्ति के बेहतर नियोजन, सामग्री प्रबंधन, स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी, नवाचारी तकनीक, सूचना प्रौद्यौगिकी पहल, हरित खनन तकनीकों के नियोजन पर अपने सुझाव दिए। शीर्ष प्रबंधन ने सुझावों को गंभीरता से लिया। एनसीएल के पीआरओ रामविजय सिंह ने बताया कि एनसीएल में गत वित्तीय वर्ष में 180 प्रबंधन प्रशिक्षुओ की नियुक्ति हुई है। सांस्कृतिक संध्या के दौरान प्रबंधन प्रशिक्षुओ ने गीत व कविता पेश किए। इस दौरान युवाओं की प्रतिभा निखरी। उनका उत्साहव?र्द्धन किया गया। विभागीय अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। शनिवार को जिले में आए एसीएस ने सुकृत, मधुपुर में निरीक्षण किया था। वहां उन्होंने करमा के एडीओ पंचायत व सुकृत के सचिव को निलंबित कर दिया था। रविवार सुबह वे नगवां डैम पहुंचे। यहां जल जीवन मिशन योजना के तहत बन रही पानी टंकी का निरीक्षण किया। कार्य की गुणवत्ता व क्षमता की जांच की। कार्यदायी संस्था को समय से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। वहां से एसीएस केवटम व ठोसरा गांव में मिशन के कार्य को देखने पहुंचे। ढोसरा में करीब एक माह से काम बंद मिला। डोरिया गांव में पानी टंकी निर्माण कार्य की धीमी गति को देखकर नाराज हुए। एसीएस ने कहा कि दो सौ करोड़ की परियोजना के निर्माण में इतनी धीमी गति से कार्य होना अच्छा नहीं है। कार्यदायी संस्था को फटकार लगाते हुए एक्सईएन जल निगम को निर्माण कार्य की गति को तेज कराने का निर्देश दिया।

डाला सीमेंट फैक्ट्री में सुपरवाइजर की मौत के बाद बवाल मुआवजा और नौकरी के लिए कार्य को किया बहिष्कार

(आधुनिक समाचार सेव)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री युनिट डाला में एक मजदूर की कार्य के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत सूत्रों की मानें तो शनिवार की दोपहर मीना पेंटिंग वर्क्स का सुपरवाइजर राज कुमार उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र महावीर प्रसाद निवासी राजस्थान की संदिग्ध परिस्थितियों में बेहोश हो गया था जिसको जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था और इलाज के दौरान मौत हो गई जिसको लेकर रविवार सुबह साढ़े ग्यारह बजे के करीब अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री के सभी मजदूरों ने फैक्ट्री के अंदर विरोध प्रदर्शन करने लगे और मांग किया की मृतक के परिजनों को

चालिस लाख रुपए एवं एक लोग को नौकरी मिलना चाहिए उसी दौरान कंपनी के कर्मीयों व सिक्योरटी गाड़ के साथ मजदूरों का झड़प भी हो गया सूचना पाकर मौके पहुंचे ओबरा उपजिलाधिकारी सिटी सीओ थानाध्यक्ष चोपन डाला चौकी इंचार्ज व अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री अधिकारी ने मजदूरों को समझा बुझाकर शांत करवाया गया और आश्वासन दिया गया है आप सभी की मांग कंपनी के रूल के अनुसार पुरी की जायेगी इस दौरान सभी मजदूरों ने डाला अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री के अधिकारियों सहित शासन प्रशासन को चेताया कि जल्द से जल्द मांग पूरी नहीं हुई तो हम लोग उग्र आंदोलन करेंगे जिसका पुरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन कपनी की होगी।

समाधान दिवस में 77 में से 19 शिकायतों का हुआ निस्तारण

सोनभद्र। जिले के थानों में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 77 प्रार्थना पत्र पड़े जिसमें से 19 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष मामले संबंधितों को निर्धारित समयावधि में निस्तारित करने की हिदायत देकर सौप दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन विजय शंकर मिश्रा ने थाना रायपुर व सीओ नगर राजकुमार त्रिपाठी ने कोतवाली राब?र्ट्सगंज में लोगों की समस्या सुनीं। उनके त्वरित निस्तारण का निर्देश दिया। थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना रायपुर पर कुल सात तथा थाना राब?र्ट्सगंज पर 18 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ जिनमें से एक-एक का मौके पर निस्तारण किया गया। इसके अलावा थाना घोरावल में नौ प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें से तीन मौके पर निस्तारित किये गए। बभनी पर 6 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 2 का निस्तारण हुआ। थाना दुद्धी पर 5 प्रार्थना पत्र आए जिनमें

से एक का निस्तारण मौके पर किया गया। इसी तरह कोन पर 5 में से एक, बीजपुर में चार में से दो मामले मौके पर निस्तारित किये गए। अनपरा थाना पर प्राप्त दो प्रार्थना पत्र में से एक का निस्तारण हुआ। जुगैल पर तीन प्रार्थनापत्र प्राप्त हुआ जिनमें से एक का मौके पर ही निस्तारण हुआ। थाना करमा पर छह मामले आए और सभी निस्तारित कर दिये गए। पनूनांज पर तीन, रामपुर बरकोनिया, ओबरा, मांची, शाहगंज पर एक-एक, म्योरपुर पर दो, थाना चोपन पर तीन प्रार्थनापत्र प्राप्त हुआ जिनका शीघ्र ही निस्तारण कर दिया जायेगा । इसके साथ ही हाथीनाला, थाना शक्तिनगर, पिपरी, विण्ढमगंज तथा महिला थाना पर कोई प्रार्थनापत्र प्राप्त नहीं हुआ। एएसपी विजय शंकर मिश्रा ने बताया कि जिले में थाना समाधान दिवस पर 77 प्रार्थना पत्र आए जिसमें से 19 प्रार्थनापत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष बचे प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के संबंध में त्वरित कार्रवाई कर शीघ्र निस्तारण का निर्देश संबंधित विभागों को दिया गया।

कोयले में मिलावट के लिए भारी मात्रा में किया गया चारकोल का भंडारण

अनपरा (सोनभद्र) । देश में कोयले की बढ़ी मांग को देखते हुए कोल माफिया ऊर्जांचल में काफी सक्रिय है। लोहा फैक्ट्री का चूर्ण-कचरा (चारकोल) को भारी मात्रा में बाहर से लाकर कोयले में मिलावट कर दूर-दराज के तापीय परियोजनाओं में रेल मार्ग से भेजा जा रहा है। शक्तिनगर थाना अंतर्गत कृष्णशिला रेलवे साइडिग पर हजारों टन चारकोल का भंडारण किया गया है। जिसे कोयला में मिलाकर रेलवे रैक में लोड कर प्रेषण किया जा रहा है। कोयले में चारकोल मिलाने से उसका वजन काफी बढ़ जाता है। ट्रांसपोर्टर उत्तम कोयला छांटकर मंडी में बिक्री के लिए भेज देते हैं। उसकी जगह पर चारकोल मिलाकर उद्योगों को प्रेषित कर रहे हैं। इस अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए कोई विभाग पहल नहीं कर रहा है। एनसीएल का कहना है कि क्रेता आक्सन के तहत लिए गए कोयले को खदान से बाहर ले जाकर क्या

करता है, उसमें कंपनी कुछ नहीं कर सकती है। सीओ पिपरी प्रदीप सिंह चंदेल को कई बार जानकारी दिए जाने पर भी कहा गया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी, लेकिन इसपर कोई पहल नहीं की गई। चोपन रेलवे स्टेशन के डीटीएम दीपक कुमार ने कहा कि जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। किसी भी विभाग द्वारा ठोस पहल नहीं किए जाने से कोल माफिया बेखौफ इस अवैध कारोबार को संचालित कर रहे हैं। मिलावट का यह खेल इस कदर बढ़ गया है कि बाहर से रेल रैक द्वारा गत माह चारकोल लाकर रेलवे साइडिग पर भंडारण किया गया था। प्रतिदिन दर्जनों ट्रकों से चारकोल लाकर कोयले में मिलावट किया जा रहा है। चारकोल से हादसे की आशंका तापीय परियोजना में कोयला जलकर राख हो जाता है। चारकोल लोहे का चूर्ण होने की वजह से जलता नहीं है। यह चिमनी की सतह में चिपक जाता है। काफी दिनों तक चारकोल युक्त कोयला तापीय परियोजनाओं में उपयोग किए जाने पर बड़ी घटना की आशंका बनी रहती है। क्रेता परियोजना पर भी मिलीभगत का आरोप देश के विभिनन्तापीय परियोजना व उद्योग एनसीएल से आक्सन के तहत कोयला खरीदते हैं। जिसे स्थानीय कोल ट्रांसपोर्टरों के माध्यम से रेल रैक द्वारा अपने गंतव्य स्थान पर ले जाते हैं। इसके लिए संबंधित उद्योग के अधिकारी भी लोडिग के दौरान निगरानी करते हैं। कोयले की सैंपलिग भी की जाती है। कोल ट्रांसपोर्टर सभी को अपने गिरोह में शामिल कर मिलावट का यह खेल सुनियोजित ढंग से चला रहे हैं।

एडीओ पंचायत करमा व ग्राम विकास अधिकारी निलंबित

सोनभद्र। कृषि उत्पादन आयुक्त, अपर मुख्य सचिव (एसीएस) ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज विभाग मनोज कुमार सिंह ने शनिवार को जनपद का दौरा किया। उन्होंने सुकृत, मधुपुर व पसहीं ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। मधुपुर में गंदगी मिलने पर उन्होंने करमा के एडीओ पंचायत राम शिरोमणि पाल व ग्राम प्रधानों से विकास कार्यों में कमीशन मांगने की शिकायत पर ग्राम विकास अधिकारी दीपक सिंह को निलंबित करने का निर्देश दिया। अपर मुख्य सचिव ने गांवों में आवास, शौचालयों का निरीक्षण किया। वह शनिवार को दोपहर बाद सुकृत ग्राम पंचायत में पहुंचे। उन्होंने शीला कोल के बने मुख्यमंत्री आवास का पूजन-अर्चन कर गृह प्रवेश कराया। कुल छह आवासों का गृह प्रवेश कराया गया। ग्राम पंचायत के खानेआजमपुर कोल बस्ती में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्या भी सुनीं। यहां पहुंचे

ग्राम प्रधानों ने ग्राम विकास अधिकारी दीपक सिंह पर विकास कार्यों में कमीशन मांगने का आरोप लगाया और एसीएस से इसकी शिकायत की। इसे गंभीरता से लेते हुए एसीएस ने सचिव दीपक सिंह को निलंबित करने का निर्देश दिया। मनोज कुमार करमा ब्लाक के ही मधुपुर ग्राम पंचायत में पहुंचे। जांच में पाया कि प्राथमिक विद्यालय के पीछे कूड़ा पड़ा हुआ है और उसमें तत्काल आग लगाई गई है। गांव में कई जगह गंदगी देख नाराजगी जाहिर की। यहां के एडीओ पंचायत रामशिरोमणि पाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्देश दिया। ग्रामीणों ने शिकायत की कि उन्हें आवास नहीं दिया गया है। इस पर उन्होंने आवासों का खुद सत्यापन शुरू कर दिया। लिस्ट लेकर पात्रता के अनुसार आवासों के आवंटन की जांच की। इसके बाद एसीएस ने राब?र्ट्सगंज ब्लाक के पसहीं ग्राम पंचायत के देउरा राजा गांव का निरीक्षण किया। यहां आवासों की जांच में पाया कि देउरा राजा गांव में एक व्यक्ति का आवास विवाद कर उसके पटीदार नहीं बनने दे रहे हैं। इस पर जिला विकास अधिकारी को मौके पर भेजकर विवाद निस्तारित कराने का निर्देश दिया। वह सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक करने पहुंचे। उधर इस संबंध में डीडीओ रामबाबू त्रिपाठी ने बताया कि अपर मुख्य सचिव ने सुकृत के ग्राम विकास अधिकारी दीपक सिंह को निलंबित करने का निर्देश दिया है। डीपीआरओ विशाल सिंह ने बताया कि एडीओ पंचायत करमा रामशिरोमणि पाल को निलंबित करने का भी निर्देश दिया गया है।

2023 एशियन कप फुटबाल की मेजबानी से चीन ने खीचें अपने हाथ, कोविड 19 का दिया हवाला

नई दिल्ली। कोविड-19 की स्थिति के कारण चीन ने 2023 एशियन कप फाइनल की मेजबानी छोड़ दिया है। शनिवार को एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) ने उक्त जानकारी साझा की। ये इवेंट चार साल में एक बार आयोजित किया जाता है जिसमें से 24 राष्ट्रीय टीम पूरे महाद्वीप से भाग लेती हैं। ये आयोजन 16 जून से 16 जुलाई 2023 में 10 अलग-अलग शहरों में होना था। परिसंघ ने एक बयान में कहा, ठचीनी फुटबॉल संघ (सीएफए) के साथ व्यापक चर्चा के बाद, एशियाई फुटबाल परिसंघ को सीएफए द्वारा आधिकारिक तौर पर सूचित किया गया है कि वह एएफसी एशियन कप 2023 की मेजबानी नहीं कर पाएगा। एएफसी ने अपने बयान में कहा है कि वो महामारी के कारण हुई असाधारण परिस्थितियों को स्वीकार करता है, जिसके कारण चीन पीआर ने अपने होस्टिंग अधिकारों को त्याग दिया।ठ एफएसी ने कहा कि इसकी मेजबानी को लेकर फैसला आने वाले समय में किया जाएगा। अभी हाल ही में एशियाई ओलंपिक परिषद के आयोजकों ने सितंबर में चीनी शहर हांग्झाऊ में आयोजित होने वाले मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट के आयोजन को 2023 तक स्थगित कर दिया था। आपको बता दें कि चीन ने जीरो-कोविड नीति लागू करना जारी रखा है और ओमिक्रान वैरिएंट के हालिया प्रकोप के प्रकोप के कारण देश भर के तमाम शहरों को कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा है।

33 साल बाद सुनील गावस्कर ने लौटाई महाराष्ट्र सरकार को जमीन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के ट्रस्ट ने महाराष्ट्र हाउसिंग और एरिया डेवलपमेंट अथारिटी को 21,348 स्क्वायर फीट की जमीन लौटाने की पेशकश की है। ये जमीन बांद्रा में स्थित है और 33 साल पहले इसे सुनील गावस्कर क्रिकेट फाउंडेशन ट्रस्ट को दिया गया था। ये जमीन उन्हें क्रिकेट अकादमी बनाने के लिए दी गई थी। उन्हें तीन महीने में अकादमी के लिए काम करना शुरू करना था और इसे तीन साल में पूरा करना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब जब 33 साल बाद सुनील गावस्कर ने इसे लौटाने की बात कही है।

सिर चढ़कर बोल रहा है चहल का जादू, पटेल ने बनाई टाप 10 में जगह

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में अब तक हुए मुकाबलों में बल्ले और गेंद का जबरदस्त रोमांच देखने को मिला है। इस सीजन में आइपीएल इतिहास की दो सबसे सफल टीमें प्वाइंट्स टेबल में नीचे तो पहली बार खेल रही दो टीमें टाप चार में बने हुए हैं। इस सीजन में अब तक हुए मैचों की बात करें तो यहां कुछ टीमों ने 200 से ज्यादा का स्कोर भी खड़ा किया है तो कुछ वर्तमान में इस सूची में युजवेंद्र चहल का कब्जा है। उन्होंने 10 मैचों में अपने विकटों की संख्या को 19 कर लिया है। दूसरे नंबर पर एक बार फिर से दिल्ली के स्पिन गेंदबाज कुलदीप ने जगह बना ली है। उन्होंने कोलकाता के खिलाफ मैच में 4 विकेट लेकर अपने विकटों की संख्या को 17 कर लिया है। तीसरे नंबर पर नए गेंदबाज की एंट्री हुई है। गुजरात के खिलाफ मैच में 4 विकेट लेने वाले कगिसो रबाडा तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। अब उनके खाते में 9 मैचों में 17 विकेट हैं।

रबाडा के इस प्रदर्शन के बाद टी नटराजन चौथे नंबर पर खिसक गए है। उन्होंने ने इतने मैचों में ही 1 आरसीबी के गेंदबाज वानिंदू हसरंगा 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं। चेनन्ई के खिलाफ मैच में उन्होंने 1 विकेट लेकर अपने विकटों की संख्या को 16 कर लिया है। कोलकाता के गेंदबाज उमेश यादव छठे नंबर पर खिसक गए है।राजस्थान के खिलाफ मैच में 1 विकेट लेकर उन्होंने 10 मैचों में अपने विकटों की स7वें नंबर पर आइपीएल का युवा सेंसेशन और अपनी रफ्तार से सबको चौकाने वाले उमरान मलिक हैं। उनके खाते में 9 मैचों में 15 विकेट है। 8वें नंबर पर गुजरात के तेज गेंदब 9वें और 10वें नंबर पर क्रमशः ड्वेन ब्रावो और हर्षल पटेल हैं। ब्रावो ने 8 मैचों में 14 विकेट तो हर्षल पटेल ने चेनन्ई के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट लिए हैं। इस प्रदर्शन के बाद उनके विकटों की संख्या 10 मैचों में 13 हो गई है और उन्होंने टाप 10 में एंट्री मार ली है। पिछले सीजन हर्षल पटेल पर्पल कैप होल्डर थे।

बांग्लादेश के खिलाफ 18 सदस्यीय श्रीलंकाई टीम की घोषणा, दिमुथ करुणारत्ने को मिली नेतृत्व की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 18 सदस्यीय खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। ओपनर दिमुथ करुणारत्ने को एक बार फिर से टीम की नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस स्क्वाड में कुछ महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है। श्रीलंकाई बल्लेबाज रोशेन सिल्वा बांग्लादेश दौरे से बाहर हो गए हैं। दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच 15 मई से चिटगांव में जबकि दूसरा मैच 23 मई से ढाका में खेला जाएगा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से श्रीलंका के लिए ये दौरा काफी अहम है। फिलहाल टीम 5वें नंबर पर काबिज है। 2021-23 के दौरान टीम ने दो मैचों में जीत दर्ज की है तो दो मैचों में उस ड्रा से संतुष्ट होना पड़ा है। इस दौरान बांग्लादेश ने केवल एक टेस्ट मैच जीता है और फिलहाल वो इस सूची में 8वें नंबर पर है और इंग्लैंड से आगे है।

हैदराबाद के सामने दिल्ली के इन 11 धुरंधरों पर होगी जीत दिलाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 50वें मैच में जब हैदराबाद के सामने दिल्ली की टीम उतरेगी तो हर हाल में जीत दर्ज करना चाहेगी। पिछले मुकाबले में दिल्ली को लखनऊ के हाथों हार का सामना करना पड़ा था और ऐसे में एक और हार उसे प्लेआफ की उम्मीदों से और दूर कर देगा। टीम के लिए पिछले मैच में ओपनिंग जोड़ी पूरी तरह से असफल रही थी बावजूद इसके टीम के मध्यक्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया था और 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 189 तक पहुंची थी। दिल्ली की ओपनिंग जोड़ी- लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच को छोड़ दिया जाए तो दिल्ली की ओपनिंग जोड़ी पृथ्वी शा और डेविड वार्नर ने लगातार रन बनाए है। इस मैच में भी उन पर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। दिल्ली का मध्यक्रम- पिछले मैच में दिल्ली के मध्यक्रम ने अच्छा रिस्पांस किया था। रिषभ पंत, मिचेल मार्श, रोवमैन पावेल और अक्षर पटेल ने रन बनाए थे। टीम में मैच फिनिशर की कमी है जो दिल्ली के लिए मैच आखिर तक लेकर जाए।दिल्ली की गेंदबाजी- गेंदबाजी में दिल्ली की टीम अच्छा कर रही है। आनरिक नोकिया की अनुपस्थिति में खलील अहमद और मुस्तफिजुर रहमान अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। स्पिन में कुलदीप यादव शानदार फार्म में नजर आ रहे हैं और फिलहाल वे पर्पल कैप की रेस में 17 विकटों के साथ दूसरे पृथ्वी शॉ, डेविड वार्नर, मिचेल मार्श, रिषभ पंत, ललित यादव, रोवमैन पावेल, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, मुस्तफिजुर रहमान, चेतन सकारिया।

बैंगलोर से हार के बाद अपने बल्लेबाजों पर बरसे धौनी कहा- शाट्स सेलेक्शन बेहतर हो सकते थे

नई दिल्ली। बैंगलोर के खिलाफ मिली 13 रनों से हार के बाद चेनन्ई के कप्तान एमएस धौनी अपने बल्लेबाजों के प्रदर्शन से खुश नजर नहीं आए। चेन्नई के सामने 174 रनों का लक्ष्य था लेकिन टीम निर्धारित ओवर में 8 विकेट खोकर केवल 160 रन ही बना पाई। इस हार के साथ ही चेन्नई की टीम प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो गई है। इस हार के बाद कप्तान धौनी ने शाट सेलेक्शन को लेकर अपने बल्लेबाजों पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि आखिर में शाट सेलेक्शन थोड़े बेहतर हो सकते थे। चेन्नई की तरफ से डेवान कान्वे ने 56 और मोइन अली ने 34 रनों की पारी खेली लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए।हार के बाद धौनी ने कहा ठहमने उन्हें 170 रन तक सीमित रखने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। मुझे लगा कि बाद में बल्लेबाजी के लिए पिच आसान होगी और हमें अच्छी शुरुआत करनी थी, सब कुछ सही था लेकिन बल्लेबाज़ी ने हमें निराश किया। जब आप पीछा कर रहे होते हैं तो आपको पता होता है कि क्या आवश्यक है और कई बार आपको अपनी नेचुरल गेम पर अंकुश लगाना होता है और यह देखना होता है कि वास्तव में स्थिति के अनुसार हमें क्या करना चाहिए। शाट सेलेक्शन अंत में बेहतर हो सकता था। हमारी शुरुआत अच्छी थी और हमारे पास विकेट थे, लेकिन हमने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए हम कुछ शाट्स को लेकर मंथन कर सकते हैं। अंत एक बल्लेबाज या गेंदबाज के रूप में, आप बीच मैदान पर होते हो और आपको फैसला करना होगा। हमें यह देखने की जरूरत है कि क्या गलत हुआ मैच की बात करें तो सीएसके ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत अच्छी की थी। डेवान कान्वे और गायकवाड़ ने पावरप्ले में 51 रन बनाए लेकिन उसके बाद नियमित अंतराल पर विकटों का गिरना चेनन्ई के लिए हार का कारण रहा।

प्ले-आफ की उम्मीद बरकरार रखने उतरेंगे दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स

मुंबई। प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को यहां आइपीएल में एक-दूसरे को हराकर प्ले-आफ में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखने के इरादे से उतरेंगी।दोनों ही टीमें मौजूदा सत्र में अब तक लगातार दो मैच नहीं जीत पाई है और दोनों ही टीम एक और मुकाबला हारने की स्थिति में भी नहीं है। पिछले मैच में राजस्थान रायल्स के खिलाफ आठ विकेट की जीत के बाद दिल्ली कैपिटल्स की टीम बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ मुकाबले में उतरेगी जबकि पंजाब किंग्स ने भी अपने पिछले मैच में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हराया था दिल्ली के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर काफी अच्छी लय में है लेकिन दूसरा सलामी बल्लेबाज टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। मनदीप सिंह और श्रीकर भरत ने पृथ्वी शा की गैरमौजूदगी में निराश किया। पृथ्वी भी हालांकि मौजूदा सत्र में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए है। पृथ्वी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, लेकिन यह देखना होगा कि यह युवा खिलाड़ी सोमवार को इस अहम मुकाबले के लिए फिट हो पाते है या नहीं। दिल्ली के लिए हालांकि यह राहत की बात है कि मिशेल मार्श लय में लौट गए हैं। इस आक्रामक आलराउंडर ने रायल्स के खिलाफ बल्ले और गेंद दोनों ने अच्छा प्रदर्शन किया और टीम की सफलता के लिए उनकी और वार्नर की भूमिका अहम रहेगी। कप्तान रिषभ पंत पर भी सभी की नजरें रहेंगी। पंत ने रायल्स के खिलाफ चार गेंद की पारी के दौरान दो छक्के जड़े लेकिन अब तक मैच विजेता पारी नहीं खेल पाए है जिसमें वह सक्षम है। रोवमैन पोवेल ने चौके और छक्के जड़ने की अपनी क्षमता का परिचय दिया है और दिखाया है कि शीर्ष क्रम से मदद मिलने पर वह टीम को मैच जिता सकते हैं। पंजाब के गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई कैगिसो रबादा कर रहे है जो मौजूदा सत्र में सबसे सफल तेज गेंदबाज है। पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया लेकिन राहुल चाहर महंगे साबित हो रहे हैं। रायल्स के खिलाफ दिल्ली के गेंदबाजी आक्रमण ने काफी प्रभावित किया था। युवा चेतन सकारिया ने पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण बाहर हुए खलील अहमद की गैरमौजूदगी में शानदार गेंदबाजी की जबकि तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे भी लय हासिल कर रहे है।

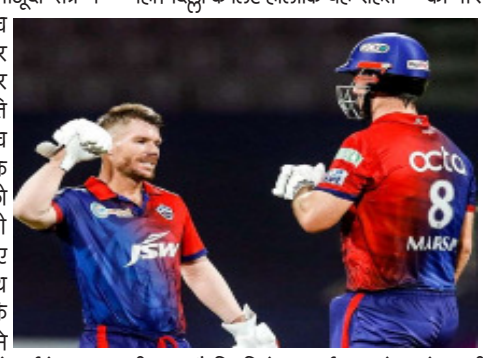

पंजाब के खिलाफ दिल्ली को करने होंगे बड़े बदलाव, इस विदेशी खिलाड़ी को मिलेगा मौका

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में अब तक ठीक ठाक प्रदर्शन करने वाली दिल्ली कैपिटल्स के सामने आज शाम पंजाब किंग्स की टीम होगी। दोनों ही टीम को प्लेआफ में जगह बनाने के लिए यह अहम मुकाबला जीतना है। दिल्ली और पंजाब में कोई एक ही टीम इस जीत के बाद 16 अंकों तक पहुंचने की उम्मीद रख पाएगी। दोनों के पास इस वक्त 12 मुकाबले से 12 अंक है और इस मैच के बाद एक और मैच खेलने का मौका होग दिल्ली की टीम इस मैच में के लिए कुछ बदलाव देखने मिल सकते हैं। कोविड की वजह से बाहर बैठने वाले विकेटकीपर टिम सेईफर्ट को एनरिक नार्खिया की जगह विदेशी खिलाड़ी से रिप्लेस किया जा सकता है। वहीं टाप आर्डर में कुछ खास नहीं कर पाने वाले केएस भरत की जगह पर रिपल पटेल को प्लेइंग इलेवन में चुना जा सकता है। ये बदलाव टीम के संतुलन के बेहतर बना सकते है। ओपनिंग में डेविड वार्नर के साथ केएस भरत की जोड़ी कुछ दिल्ली के लिए खास नहीं जमी। ऐसे में बाहर बैठे टिम सेईफर्ट को भरत की जगह पर मौका दिया जा सकता है। दोनों ही विकेटकीपर बल्लेबाज है और यह बदलाव टीम के लिए अच्छा साबित हो सकता है। मिडिल आर्डर में मिचेल मार्श का फार्म में आना टीम के लिए बड़ी राहत है। हैदराबाद के खिलाफ धमाकेदार पारी खेल दिल्ली को उन्होंने आसान जीत दिलाई थी। कप्तान रिषभ पंत को अब पहले जैसे धुरंधार बल्लेबाजी करके दिखाना होगा। फैंस उनके बेहतर की उम्मीद करते हैं। निचले क्रम में रोवमैन पावेल लगातार फिनिशर की भूमिका को अच्छे से निभा रहे हैं। दिल्ली के पास अक्षर पटेल और कुलदीप यादव के रूप में दो अनुभवी स्पिनर हैं। कुलदीप ने शानदार शुरुआत की थी लेकिन उनको लगातार अच्छा करना होगा जिससे टीम को फायदा पहुंचे। अक्षर भी इस सीजन बहुत शानदार नहीं कर पाए हैं अब उनको भी प्रदर्शन में सुधार लाना होगा। तेज गेंदबाजी में खलीर अहमद, शार्दुल ठाकुर और चेतन सकारिया ही भारतीय तिकड़ी टीम के लिए अहम साबित हो सकती है। डेविड वार्नर, टिम सेईफर्ट (विकेटकीपर), मिचेल मार्श, रिषभ पंत, रिपल पटेल, रोवमैन पावेल, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, खलील अहमद, चेतन सकारिया

हैदराबाद में शामिल हुआ 21 साल का युवा गेंदबाज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में शानदार फार्म में चल रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने अपने मीडियम पेसर सौरभ दुबे का रिप्लेसमेंट ढूंढ लिया है। दुबे के स्थान पर टीम ने रांची के युवा खिलाड़ी सुशांत मिश्रा को टीम में जगह दी है। हालांकि दुबे को अभी तक एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था लेकिन अब बैक इंजरी के कारण उनका इस सीजन में खेलने का सपना टूट गया है। सुशांत बाएं हाथ के मध्यम गति के तेज गेंदबाज हैं। उनके करियर की बात करें तो उन्होंने 4 फर्स्ट क्लास मैच खेला है और उनके नाम 13 विकेट है। उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने 20 लाख रुपये में टीम में शामिल किया है। दुबे के अलावा टीम वाशिंगटन सुंदर के इंजरी को लेकर भी परेशान है। सीएसके के खिलाफ पिछले मैच में सुंदर को चोट लग गई थी। उन्हें एक बार पहले भी चोट लगी थी लेकिन गुजरात के खिलाफ मैच में उन्होंने वापसी कर ली थी। उनकी चोट पर प्रतिक्रिया देते हुए टीम के कोच टाम मूडी ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसे, उसी जगह चोट लगी है जहां पहले लगी थी। हालांकि चोट इतनी गंभीर नहीं है लेकिन वे गेंदबाजी करने में असमर्थ हैं।

राशिफल

मेष-:आज आपको किसी ऐसे व्यक्ति की कमी महसूस होगी जो आज आपके साथ नहीं है। आपके खर्चे बढ़ेंगे, जो आपके लिए परेशानी का सबब साबित हो

वृष-:आज आपके विचार और वाणी पर संयम रखना होगा। आमदनी में सुधार होगा। मौज-मस्ती और मनोरंजन की प्रवृत्ति दिन भर बनी रहेगी। आप गुस्से के शिकार हो सकते है।

मिथुन-:आज का दिन व्यापार के दृष्टिकोण से उत्तम रहेगा। नई डील से परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। आज आपके मन में नए विचार उठेंगे।

कर्क-:मनोरंजन और सुंदरता पर जरूरी समय से ज्यादा खर्च न करें। पारिवारिक कार्यक्रम में आप सभी के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा बना रहेगा ।

सिंह-:आज आपको आलस्य और थकान का अनुभव होगा। फालतू की बातें करने से बचें और अपने रिश्ते को और मजबूत बनाने की कोशिश करें। आपके प्रियजन का मूड भी खराब हो सकता है।

कन्या-:आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। आज किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ आपकी कंपनी का सौदा तय हो सकता है। खेल में रुचि रखने वाले इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन।

तुला-:बड़ी योजनाओं और विचारों के माध्यम से कोई आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर।

वृश्चिक-:आज का दिन आपके लिए नए कार्य की शुरुआत के लिए शुभ है। कार्यक्षेत्र में आप लगातार प्रगति करेंगे। आपको लंबे समय से चल रहे दुखों और परेशानियों से छुटकारा मिल।

धनु-:आज का दिन आपके लिए शुभ फल लेकर आया है। सोच-समझकर ही आज कोई फैसला लें। किसी और के द्वारा लिया गया फैसला आपके लिए हानिकारक हो सकता है।

मकर-:आज आपको महत्वपूर्ण निणय्य लेने हैं, जिससे आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक लेन-देन करते और बोलते समय सावधानी बरतने की जरूरत है।

कुंभ-:आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। भौतिक सुख की प्राप्ति होगी। व्यापार में तरक्की के योग हैं। दांपत्य जीवन में प्रेम दिन पर दिन बढ़ेगा।

मीन-:आज निर्णय न ले पाने के कारण नए कार्यों की शुरुआत करना आपके लिए शुभ नहीं है. आज आप रिश्ते में औपचारिकता बनाए रखेंगे, अन्यथा मनमुटाव होने की संभावना है। मनोबल से सभी कार्य पूर्ण होंगे।

कप्तान बनने के बाद पहली बार खुलकर बोले स्टोक्स

नई दिल्ली। इंग्लैंड टीम के नए टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के बाद पहली बार अपने भविष्य की योजनाओं को लेकर खुल कर बात की और बताया कि आखिर उनके नेतृत्व में टीम कैसी होगी और किस दिशा में काम करेगी। सबसे पहले उन्होंने संकेत दिया कि इंग्लैंड टीम के दो सबसे सफल गेंदबाद स्टुअर्ट ब्राड और जेम्स एंडरसन की वापसी होगी। मतलब इंग्लैंड टीम को न्यूजीलैंड के साथ तीन टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलनी है। ऐसे में ये जोड़ी खेलते हुए नजर आ सकती है। इस सीरीज की शुरुआत 2 जून से लार्ड्स में होगी। इन दोनों गेंदबाजों को वेस्टइंडीज दौरे पर शामिल नहीं किया गया था और सेलेक्टर्स ने इनके स्थान पर युवा चेहरों को तरजीह दी थी। इस दौरे में इंग्लैंड को वेस्टइंडीज से हार का सामना करना पड़ा था। इसी के बाद इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। इस घटनाक्रम के बाद

राब की इंग्लैंड टीम के मैनेजिंग डायरेक्टर बने और उन्होंने कप्तानी पद के लिए स्टोक्स को मना लिया।कप्तान बनने के बाद पहली बार मीडिया से बातचीत करते हुए स्टोक्स ने कहा कि वे टीम में एक बार फिर से विनिंग कल्चर लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा मैं इंग्लैंड के लिए मैच जीतना चाहता हूं। ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपनी सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन चुनें और मेरी राय में अगर स्टुअर्ट ब्राड और जेम्स एंडरसन फिट हैं तो वे चयन के लिए उपलब्ध हैं।टीम के लिए उप-कप्तान की जिम्मेदारी कौन संभालेंगे। इस पर स्टोक्स ने कहा कि इस फैसले में उनका महत्वपूर्ण योगदान होगा लेकिन इसके लिए जो रूट के विकल्प को उन्होंने फौरन खारिज कर दिया। उन्होंने अपनी आगामी टीम की योजनाओं पर कहा कि मैं निस्वार्थ क्रिकेटर चाहता हूं जो इंग्लैंड के लिए क्रिकेट का खेल जीतने के आधार पर निणय्य लें। आखिरकार सबसे महत्वपूर्ण चीज जीतना है। मैं एक ऐसी टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं जिसकी मानसिकता वास्तविक हो और जो पीछे हटना न जानती हो।

सम्पादकीय

वंशवादी राजनीति का ढलता सूरज, परिवारवाद की राजनीति से हो रहा जनता का मोहभंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कटु आलोचक भी मानते हैं कि उन्होंने भारतीय राजनीति के व्याकरण को कई मायनों में बदला दिया है। परिश्रम, दक्षता और योग्यता तेजी से चाटुकारिता और परिवारवाद वाली राजनीति की जगह ले रही है। वैसे भी जो पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रहती है, वही भविष्य के लिए खेल के नियम तय करती है। सभी छोटे खिलाड़ी उस फामरूले का अनुकरण करते हैं। कांग्रेस भी लंबे समय तक सत्ता में रही है। लिहाजा अधिकांश पाटिर्यों ने उसका अनुकरण किया। कांग्रेस ने भारतीय राजनीति को 'वंशवाद की राजनीति' का सूत्र सिखाया। बाल गंगाधर तिलक, मदन मोहन मालवीय, सुभाष चंद्र बोस और महात्मा गांधी सरीखे दिग्गजों ने कांग्रेस को एक आंदोलन के रूप में चलाया, लेकिन स्वतंत्रता के बाद वह नेहरू-गांधी परिवार की निजी संपत्ति मात्र बनकर रह गई। उसने समय के साथ खुद को देश के 'प्रथम-परिवार' के रूप में स्थापित कर लिया। नेहरू-गांधी परिवार को स्थापित करने की होड़ में कांग्रेस ने सरदार वल्लभभाई पटेल, डा. बीआर आंबेडकर और लाल बहादुर शास्त्री जैसे नेताओं को भी भुला दिया। पार्टी की कमान हमेशा नेहरू-गांधी परिवार के सदस्यों के बीच ही घूमती रहे। जब कभी पार्टी के किसी भी क्षेत्रीय नेता का कद यदि प्रथम-परिवार के सदस्यों से ऊंचा होने लगा तो उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं में यह भ्रम पैदा कर दिया गया कि प्रथम-परिवार के सदस्य ही कांग्रेस को एक साथ बांध कर रख सकते हैं। दुर्भाग्य से क्षेत्रीय क्षत्रपों ने भी कांग्रेस की इस नीति का अनुसरण किया। जम्मू-कश्मीर में मुफ्ती और अब्दुल्ला परिवार राज्य के प्रथम-परिवार बन गए। उत्तर प्रदेश और बिहार में मुलायम और लालू यादव परिवार प्रथम-परिवार बन गए। इसी तरह कर्नाटक में देवगौड़ा परिवार, महाराष्ट्र में ठाकरे एवं पवार परिवार, तमिलनाडु में करुणानिधि परिवार, तेलंगाना में केसीआर परिवार, आंध्र में नायडू एवं वाइएसआर परिवार ने अपनी-अपनी पाटिर्यों को पारिवारिक कंपनियों में बदल दिया। योग्यता पर प्रथम-परिवार को हावी रखने के लिए कांग्रेस को और कई चालें चलनी पड़ीं। पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध नौकरशाही एवं न्यायपालिका, मैत्रीपूर्ण मीडिया, जातिगत राजनीति और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के माध्यम से चुनाव जीतने जैसे हथकंडे कांग्रेस के राजनीतिक व्याकरण का हिस्सा बन गए। निरंतर हार के बाद भी नेहरू-गांधी परिवार पार्टी के शीर्ष पर बना रहा। हद तो तब हो गई जब 2017 में राहुल गांधी ने वैश्विक स्तर पर वंशवाद की राजनीति का खुलकर बचाव किया। उन्होंने कहा कि पूरा भारत राजवंशों पर चलता है और इसमें कोई हर्ज नहीं है। हालांकि किसी के लिए माता-पिता के व्यवसाय का अनुसरण करना स्वाभाविक है। किसी महान क्रिकेटर के बेटे का घर के माहौल से क्रिकेट सीखना स्वाभाविक है। किसी दिग्गज अभिनेता के बेटे का फिल्मों में आना भी स्वाभाविक है। समस्या तब शुरू होती है जब क्रिकेटर का बेटा प्रतिभावान न होने पर भी दशकों तक टीम का कप्तान बना रहे या फिल्म स्टार के बेटे को कई फ्लाप फिल्में देने के बाद भी बड़े बैनरों की फिल्मों में काम मिलता रहे। कुछ इसी तरह राहुल गांधी, अखिलेश यादव, एचडी कुमारस्वामी जैसे नेता कई विफलताओं के बाद भी अपनी-अपनी पाटिर्यों को पारिवारिक कंपनियों के रूप में चला रहे हैं। इन परिवार आधारित-संचालित पाटिर्यों में जमीनी स्तर का कार्यकर्ता पार्टी का मुखिया बनने का सपना तक भी नहीं देख सकता है। भाजपा का चरित्र कुछ अलग नजर आता है। वह अपने नेताओं की 'योग्यता के आधार पर पदोनन्ति' देती है। यही भाजपा की सफलता का आधार है। पिछले दो दशकों में भाजपा के नेतृत्व पर एक नजर डालने से यह स्पष्ट हो जाता है। जेपी नड्डा का अमित शाह से कोई पारिवारिक संबंध नहीं है। अमित शाह का राजनाथ सिंह से कोई संबंध नहीं है। राजनाथ सिंह का नितिन गडकरी या वेंकैया नायडू का लालकृष्ण आडवाणी से कोई संबंध नहीं है। वे सभी विभिन्न जातियों और देश के विभिन्न क्षेत्रों से आते है। इन सभी में केवल एक चीज समान है-और वह है योग्यता और परिश्रम। इसके विपरीत प्रथम-परिवारों के नेताओं के जीवन से परिश्रम और योग्यता दूर है। वे अपने परिवार के नाम के सहारे ही संसद या विधानसभा में है। नतीजतन 17वीं लोकसभा में राहुल गांधी की उपस्थिति 56 प्रतिशत, अखिलेश यादव की 33 प्रतिशत और अभिषेक बनर्जी की 13 प्रतिशत है।

नेताओं से अपेक्षा है कि वे संविधान के मर्म को समझें और न्यायालय के निर्णयों का सम्मान करें

जब भी कोई सतर्क और सजग नागरिक बिना किसी पूर्वाग्रह के देश की वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों पर विश्लेषण करता है तो कुछ चिंताएं स्वतः ही उभरती है। नैतिकता का वह दौर चला गया, जब केशव देव मालवीय, लालबहादुर शास्त्री जैसे लोगों ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से नैतिक आधार पर इस्तीफा दे दिया था। अब ऐसा आचरण केवल इतिहास बनकर रह गया है। मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए एक ने अध्यापकों की अपनी सूची बनाकर नियुक्तियां कर दीं तो एक ने विदेश में खदानें खरीद लीं। चारा घोटाला अपने-आप में अनोखा ही था। हालांकि इन तीनों में जनप्रतिनिधियों को सजा मिली, लेकिन अनगिनत ऐसे प्रकरण है जिनमें संलिप्त लोगों के चेहरे पर शिकन भी दिखाई नहीं देती। वे अभी भी सम्माननीय नेता बने हुए हैं। ताजा उदाहरण महाराष्ट्र का है, जहां के दो नामी-गिरामी मंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाना पड़ा। इनमें से एक प्रदेश के गृह मंत्री थे। पिछले छह दशकों पर दृष्टि डाली जाए तो देश में 'चोरी और सीनाजोरी' के अनेक ऐसे प्रकरण उद्घाटित होंगे। अपेक्षा तो यही थी कि चयनित प्रतिनिधि जनसेवक होंगे, जनता की समस्याओं के समाधान को जीवन का लक्ष्य बनाएंगे और न्यायालय के निणर्य का अक्षरशः पालन करेंगे एवं कराएंगे, लेकिन असल में हो क्या रहा है? उत्तर प्रदेश में न्यायालय के निर्देशों पर लाउडस्पीकर विवाद का हल

सहमति से व्यावहारिक रूप में निकाल लिया गया। महाराष्ट्र और राजस्थान में राज्य सरकारें इसका समाधान निकालने में कोई रुचि नहीं दिखा रही हैं। जन प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा तो की ही जा सकती है कि उनकी बौद्धिक क्षमता स्वार्थ रहित और इतनी समर्थ होगी कि वे संविधान और उसके आत्मा को समझ सकें तथा न्यायालय के निणर्य का सम्मान कर सकें।सड़कों पर उतरे नवाब मलिक के समर्थक। प्रेट्रू यह जानकर आज की युवा पीढ़ी को आश्चर्य होगा कि स्वतंत्रता संग्राम के तपे हुए सेनानियों ने अपनी दूरदृष्टि से इस सबका अनुमान लगा लिया था। संविधान सभा में हुई बहसें इसे साबित करती है। सभी जानते है कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति से भलीभांति परिचित थे। उन्होंने इसका अध्ययन अत्यंत लगन और कर्मठता से किया। वह सामाजिक कुरीतियों के स्वयं भुक्तभोगी रहे थे। 26 नवंबर, 1949 को संविधान निर्माण का कार्य पूर्ण हुआ। डा. आंबेडकर का उस दिन का भाषण अनेक अवसरों पर याद किया जाता है। उन्होंने कहा था, 'यह संविधान किसी बात के लिए उपबंध करे या न करे, देश का कल्याण उस रीति पर निर्भर करेगा, जिसके अनुसार देश का प्रशासन संचालित किया जाएगा। एक पुरानी कहावत है कि देश जैसी सरकार के योग्य होता है, उसे वैसी ही सरकार प्राप्त होती है। आज के बाद देश का कार्य स्वतंत्रता प्राप्त करने के अद्भुत और अद्वितीय कार्य से भी कठिन होगा। मैं यही आशा करूंगा कि वे सब लोग जिन्हें भविष्य में इस संविधान को कार्यान्वित करने का सौभाग्य प्राप्त होगा, वे याद रखेंगे कि ..इसकी रक्षा करना, इसको बनाए रखना और जनसाधारण के लिए इसको उपयोगी बनाना उन पर ही निर्भर करता है।'जब निर्वाचित जनसेवक ही संविधान के मूल तत्वों से किनारा कर लें, तब प्रशासनिक अधिकारियों से नैतिकता और चरित्र बल की कितनी अपेक्षा की जा सकती है। क्या यह अत्यंत कष्टकर स्थिति नहीं है कि झारखंड में एक आइएएस अधिकारी के करीबी के घर से 17.79 करोड़ की नकदी बरामद की गई। इस प्रकार के अनेक मामले निरंतरता के साथ उद्घाटित होते रहते हैं। भोपाल गैस त्रसदी में निराश्रित बच्चों के लिए आवंटित धनराशि के दुरुपयोग में दो आइएएस अधिकारियों की संलिप्तता सिद्ध हुई थी। आय से अधिक संपत्ति से जुड़े प्रकरण अनेक अवसरों पर उभरते तो है, लेकिन बाद में कहीं खो जाते है। ऐसी स्थिति कैसे बन रही है? इसका उत्तर सहज नहीं है। इसे समझने में संविधान सभा की बहसें अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती हैं। उन्हें आज के समय में पढ़ने पर लगता है कि अधिकांश सदस्यों की दूरदृष्टि कितनी सटीक और निर्मल थी। स्वतंत्रता सेनानी महावीर त्यागी के उस भाषण को याद करना समीचीन होगा, जो उन्होंने संविधान सभा के सदस्य के रूप में 25 नवंबर, 1949 को दिया था। संविधान निर्माण की पूर्णता पर पहुंचने की तुलना एक साकार चित्र से करते हुए उन्होंने कहा था, 'हम सबने इसे मिलकर बनाया है। इसे सदिच्छा से भावी पीढ़ी को समर्पित कर देना चाहिए।त्यागी जी के शब्दों में, मैं इसकी प्रशंसा करता हूं, फिर भी एक बात है जिसका मुझे बड़ा भय है और वह यह कि इस संविधान में वृत्ति भोगी राजनीतिज्ञों का एक वर्ग उत्पन्न करने की प्रवृत्ति दिखती है।' त्यागी जी चाहते थे कि संविधान में एक सवीच्च उपबंध या रक्षा कवच परंतुक के रूप में लगा दिया जाए। उनके अनुसार, 'इस संविधान में किसी बात के होते हुए भी भारत का कोई भी नागरिक लोक निधि या गैर सरकारी उद्यम से अपने स्वयं के प्रयोग के लिए इतना वेतन लाभ या भत्ता नहीं लेगा, जो एक औसत श्रमभोगी की आय से अधिक हो।' भारत की संस्कृति के जीवंत चरित्र पर विश्वास रखकर यह कहा जा सकता है कि युवा पीढ़ी के लिए ऐसे लक्ष्य प्राप्त करना असंभव नहीं होगा।

एक सक्षम कानून-व्यवस्था, दक्ष एवं पेशेवर पुलिस और त्वरित न्याय प्रणाली आज एक अनिवार्यता

भारत में पर्व-त्योहार उल्लास और उमंग का अवसर होते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में उनका आयोजन भी बड़ी श्रद्धा एवं शांतिपूर्वक तरीके से होता है, परंतु यह साल एक अपवाद के रूप में देखा जाएगा। ज्यादा दिन नहीं बीते जब परशुराम जन्मोत्सव और ईद के दिन जोधपुर में हुए सांप्रदायिक टकराव के कारण शहर में कफ्यरू लगाना पड़ा। इससे पहले राजस्थान के ही करौली में हिंदू नववर्ष पर भयंकर हिंसा भड़की थी। यदि राज्य सरकार ने करौली की घटना से सबक लिया होता तो शायद जोधपुर जलने से बच जाता। वैसे □हसा के ये मामले केवल राजस्थान तक ही सीमित नहीं रहे। मध्य प्रदेश के खरगोन से लेकर दिल्ली के जहांगीरपुरी सहित देश के कई इलाकों में रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव पर जिस प्रकार सांप्रदायिक उन्माद और हिंसा की घटनाएं हुईं, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि कानून व्यवस्था को तार-तार करने के लिए कोई गहरा षड्यंत्र रचा गया और उसके बारे में स्थानीय प्रशासन अनभिज्ञ रहा। दंगाइयों ने पत्थर, तलवारें, पेट्रोल बम आदि का भंडारण पहले से कर रखा था। उन्होंने शोभायात्रओं पर हमले किए और हिंसा फैलाई। खरगोन में तो कई हिंदू परिवार पलायन करने को विवश हो गए। कहा जा रहा है कि इस □हसा के पीछे एक टूलकिट थी, जिसमें धन इकट्ठा करने, हिंसा भड़काने, बम बनाने और आगजनी करने के तौर-तरीके थे। इसके लिए कई संगठनों पर आरोप भी लगे। सवाल है कि इन सब गतिविधियों से स्थानीय पुलिस-प्रशासन अनजान कैसे बना रहा? इन सभी स्थानों पर एक भी निरोधात्मक गिरफ्तारी नहीं की गई। निरोधात्मक कार्रवाई भी लगभग शून्य ही रही। ऐसे परिवेश में दंगाइयों का मनोबल ऊंचा होना स्वाभाविक था। शोभायात्रओं के मार्ग में पड़ने वाले क्षेत्रों का निरीक्षण, आपत्तिजनक वस्तुओं के भंडारण को रोकने के लिए छतों पर सशस्त्र जवानों की नियुक्ति और शोभायात्र के आगे, मध्य में और पीछे समुचित पुलिस बल की तैनाती एक सामान्य प्रक्रिया है। पता नहीं इस प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं किया गया करौली, खरगोन, जहांगीरपुरी, जोधपुर आदि की घटनाओं के बीच उत्तर प्रदेश इकलौता उदाहरण रहा, जहां चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बावजूद शांति बनी रही। इसका प्रमुख कारण अपराधियों पर कड़ा शिकंजा रहा। बाहुबलियों, अपराधियों, सांप्रदायिक गुंडों को शासन-प्रशासन की तरफ से ऐसा संदेश दिया गया कि पेशेवर अपराधियों ने बाहर आने का दुस्साहस नहीं किया। यह वह उदाहरण है, जो पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। यदि ऐसी प्रशासनिक कठोरता सभी राज्यों ने की होती तो वैसी सांप्रदायिक हिंसा कदापि न होती, जैसी देखने को मिली। वास्तव में अपराधियों के प्रति उदार रवैया, व्यवस्था में असमंजस, कठोर निणर्य लेने में हिचकिचाहट के चलते देश में कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं हुईं। शासन-प्रशासन और विशेषकर पुलिस विभाग का यह उत्तरदायित्व

है कि वह विधि-व्यवस्था को भलीभांति सुनिश्चित कराए। इसमें राजनीतिक हस्तक्षेप अस्वीकार्य है। जहां भी अनुचित राजनीतिक हस्तक्षेप हुआ, वहां कानून-व्यवस्था ढुलमुल रही। परिणामस्वरूप अपराधियों का वर्चस्व रहा, गिरफ्तारियां समय से नहीं हुईं, न्यायालय में अपराधी दोषमुक्त हुए और कालांतर में उनका मनोबल तो ऊंचा हुआ ही, आपराधिक घटनाएं करने में वे और निर्भीक हो गए। उत्तर प्रदेश में बुलडोजर का बहुत सफल प्रयोग हुआ है। इसी तर्ज पर मध्य प्रदेश में भी यह प्रयास हुआ। वहां विलंब से रासुका का भी प्रयोग किया गया। फिर दिल्ली में भी ऐसा किया गया। अपेक्षा की जाती है कि सभी वैधानिक प्रक्रियाओं के समान बुलडोजर का भी प्रयोग विधिसम्मत तरीके से किया गया होगा। अतिक्रमण किसी महामारी से कम नहीं है। संगठित अपराध के सभी आयाम इसमें समाहित हैं। सरकारी कर्मचारियों का भ्रष्टाचार, संबंधित विभागों की उपेक्षा एवं संलिप्तता, स्थानीय प्रशासन की अकर्मण्यता ने इसे विकराल रूप दे दिया है। दुर्भाग्य से अधिकांश दलों ने अतिक्रमण को एक राजनीतिक अवसर के रूप में देखा है। जब कभी प्रभावी प्रशासनिक कार्रवाई होती है तो वे अपने स्वार्थ की सिद्धि के लिए पुलिस प्रशासन एवं शासन की आलोचना करते हैं। वे घिसा-पिटा तर्क देते हैं कि गरीबों, बेरोजगारों, वंचितों पर निर्मम अवैधानिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि सच यह है कि कुछ राजनीतिक तत्व अपने वोटबैंक को बढ़ाने के लिए अवांछनीय समूहों को अतिक्रमण के जरिये बसाते हैं और फिर उनका दुरुपयोग करते हैं। किसी भी तरह की हिंसक घटनाओं की विवेचना प्राथमिकता के आधार पर की जानी चाहिए। संबंधित मुकदमों की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालतों में होनी चाहिए, जिससे दोषियों को दंड शीघ्र मिले और दूसरों के लिए एक दृष्टांत प्रस्तुत हो। दुर्भाग्य से विवेचना में साक्ष्य संकलन में बहुत कमियां रहती हैं। न्यायालय में वाद वषों चलते हैं। परिणामस्वरूप अधिकांश आरोपी दोषमुक्त हो जाते हैं। अब समय आ गया है कि ऐसे मामलों में एक योजना के तहत विवेचना, अभियोजन आदि के कार्य को सवीच्च प्राथमिकता दी जाए, क्योंकि अब यह एक अनिवार्यता हो गई है। समय-समय पर पुलिस की निष्पक्षता पर भी प्रश्न उठता है। प्रकाश सिंह बनाम भारत सरकार के संबंध में सवीच्च न्यायालय ने 2006 में ही स्पष्ट निर्देश दिए थे और सात बिंदुओं पर कार्रवाई की अपेक्षा की थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि 2006 के इस निणर्य पर अभी तक नगण्य कार्रवाई ही रही है। कोई भी राज्य सरकार एवं राजनीतिक दल पुलिस सुधार के प्रति गंभीर नहीं दिखाई पड़ रहा है। लगता है पुलिस की दयनीय दशा ही उन्हें अपने लिए लाभकारी दिखाई पड़ रही है। जैसे अन्य प्रकरणों में सवीच्च न्यायालय ने कठोर रुख अपनाते हुए अपने दिशानिर्देशों का अनुपालन कराया, वैसे ही देश जनहित के इस निणर्य का अनुपालन सुनिश्चित होने की बड़ी व्याकुलता से प्रतीक्षा कर रहा है। एक सक्षम कानून-व्यवस्था, दक्ष एवं पेशेवर पुलिस और त्वरित न्याय प्रणाली आज एक अनिवार्यता है। जैसी आदर्श पुलिस व्यवस्था यूपी में स्थापित हो रही है, उसके अनुरूप सभी राज्यों को अपनी पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि कानून व्यवस्था और सामाजिक सद्भाव को चुनौती देने वाली घटनाएं न होने पाएं और यदि हों तो समय से उन पर नियंत्रण पाया जाए और आपराधिक तत्व भयाक्रांत बने रहें।जी. किशन रेड्डी। गौतम बुद्ध किस महापुरुष का नाम है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनका जन्म पूर्णिमा के दिन हुआ, उनको ज्ञान बोध भी पूर्णिमा के दिन हुआ और उनका महापरिनिर्वाण भी पूर्णिमा के ही दिन हुआ। ऐसा अद्भुत संयोग किसी महामानव के ही जीवन में आता है। भारत जैसे धार्मिक देश में पूर्णिमा का दिन आस्था का प्रतीक है, विश्वास का प्रतीक है, शीतलता का प्रतीक है, शांति का प्रतीक है और प्रकाश का प्रतीक है। मानव के मन में प्रश्नें का जन्म होना स्वभाविक है। सामान्य लोग उन प्रश्नें का अपने अंदर ही अंत कर देते हैं और कुछ विशेष लोग उन प्रश्नें के उत्तर के लिए ललाहित हो, सब कुछ त्याग कर उनकी खोज में निकल पड़ते हैं। वही लोग मानव से महामानव और महापुरुष बनते हैं। ऐसे ही कुछ प्रश्नें का जन्म राजकुमार सिद्धार्थ के मन में हुआ। उनके परिवार के लोगों को किसी संत ने कहा कि राजकुमार सिद्धार्थ बड़ा होकर या तो यशस्वी राजा बनेगा या फिर बहुत बड़ा संत बनेगा। परिवार के लोग डर गए, और उन्होंने उनको बाहरी दुनिया से अनभिज्ञ रखा। लेकिन एक दिन वो घर से बाहर निकले और उन्होंने 3 दृश्य देखे, पहला- एक अत्यंत बीमार व्यक्ति, दूसरा- बहुत ही बूढ़ा व्यक्ति और तीसरा- एक मृत व्यक्ति, उनके मन में आया कि मैं बीमार हो जाऊंगा, मैं बूढ़ा हो जाऊंगा और मैं मार जाऊंगा। इन तीन प्रश्नें ने उन्हे बहुत विचलित कर दिया। फिर वो राजपाट, राजमहल, पतनें और परिवार को त्याग कर इन प्रश्नें की खोज में निकल पड़े। उन्होंने एक सन्यासी को देखा और मन ही मन संन्यास ग्रहण करने की ठान ली। बस वहीं से राजकुमार सिद्धार्थ की महात्मा बुद्ध बनने की यात्रा प्रारंभ होती है। महात्मा बुद्ध ने बिना अनन, जल ग्रहण किए करीब 6 साल घोर तपस्या की, उसके बाद वैशाख पूर्णिमा के दिन उन्हें ज्ञान बौध हुआ। एक ऐसा ज्ञान जो हजारों वर्षों से इस धरा को प्रकाशमान कर रहा है। महात्मा बुद्ध इस धरती पर एक ऐसे महान आध्यात्मिक गुरु हुए है, जिन्होंने बौद्ध धर्म कि स्थापना कर दुनिया को शांति, करुणा और सहिष्णुता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इसलिए आज विश्व के अनेक देश बौद्ध धर्म का अनुसरण कर रहे है। वर्तमान समय में जब विश्व अशान्ति, आतंकवाद, अनैतिकता और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से ग्रसित है, तो भगवान गौतम बुद्ध का जीवन दर्शन हमें समाधान का मार्ग दे सकता है। उन्होंने मनुष्य को अहिंसा, प्रेम, भाईचारा, धैर्य, संतोष और नैतिक मूल?यों पर आधारित जीवन जीने की प्रेरणा दी है। पंचशील का उनका सिद्धांत किसी भी मनुष्य के जीवन को सार्थक बना सकता है, जिसमें उन्होंने कहा हिंसा न करना, चोरी न करना, व्यभिचार न करना, झूठ न बोलना और नशा न करना शामिल है। इस बात पर उनका विशेष बल रहा कि जीवन में प्रकृति का सम्मान सवीपरि है। नरेंद्र मोदी सरकार भगवान बुद्ध के उपदेशों, संदेशों और विचारों को दुनिया में जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। इसलिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में बुद्ध पूर्णिमा को राष्ट्रीय उत्सव के रूप मे मनाने का निणर्य किया और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इस उत्सव को बढ़ावा दिया। उनके द्वारा दिया गया ज्ञान विश्व के लिए शांति और एकता की शक्ति बन सकता है। विगत वर्ष बुद्ध पूर्णिमा विश्व शांति और कोरोना महामारी से राहत के लिए समर्पित थी। दुनिया जब मुश्किल दौर से गुजर रही थी, उस समय भारत के साथ एकजुट होकर बोधगया-भारत, लुंबिनी-नेपाल, कैंडी-श्रीलंका, भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, मंगोलिया, रूस, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और ताइवान के प्रमुख बौद्ध मंदिरों में विश्व शांति के लिए एक साथ प्रार्थनाएं आयोजित की गई। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भगवान बुद्ध सार्वभौमिक है, क्योंकि वो अपने भीतर से शुरुआत करने के लिए कहते हैं। क्योंकि जब कोई व्यक्ति स्वयं प्रकाशित होता है, तो वह दुनिया को भी प्रकाश देता है। इसलिए बुद्ध दर्शन में 'अप्प दीपो भव' भारत के आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा है। बौद्ध धर्म को दुनिया के चार बड़े धर्मों में से एक माना जाता है। दुनिया में लगभग 50 करोड़ से अधिक लोग बौद्ध धर्म को मानने वाले है और उनमें से 90 फीसद दक्षिण पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया में रहते है।

राजद्रोही तत्वों से निपटने की चुनौती

अंग्रेजों ने 152 साल पहले राजद्रोह का जो कानून बनाया था उसका मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता के आकांक्षी भारतीयों का दमन करना और ऐसा माहौल बनाना था कि कोई भी उनकी हुकूमत को चुनौती न देने पाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय बड़ी संख्या में स्वतंत्रता सेनानी इस कानून का शिकार बने। इनमें बाल गंगाधर तिलक और गांधी जैसे नेता भी शामिल थे। आजादी के बाद हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसा संविधान तैयार किया जो पूरी दुनिया के लिए मिसाल बना, लेकिन जिस तरह इस संविधान के कुछ विधान वही रहे, जो अंग्रेजी सत्ता के दौरान थे उसी तरह भारतीय दंड संहिता और दंड प्रक्रिया संहिता के कई नियम-कानून वही बने रहे, जो अंग्रेजों ने बनाए थे। इनमें राजद्रोह कानून भी है। चूंकि इसे एक दमनकारी कानून माना गया इसलिए इसे लेकर रह-रहकर सवाल भी उठते रहे- कभी राजनीतिक दलों की ओर से, कभी मानवाधिकारवादी संगठनों की ओर से और कभी न्यायपालिका की ओर से भी। यह माना जाता है कि आजादी के बाद भी इस कानून को बनाए रखने की आवश्यकता इसलिए महसूस की गई ताकि राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के लिए चुनौती बने तत्वों का सामना किया जा सके। 1962 में सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यों की पीठ ने केदार नाथ सिंह के मामले में राजद्रोह कानून की उपयोगिता और सीमाओं को लेकर एक अहम निणर्य दिया था, फिर भी ऐसे शिकायती स्वर शांत नहीं हुए कि इस कानून का मनमाना इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे शिकायती स्वरों का मूल कारण यह है कि सरकारों के स्तर पर राजद्रोह कानून के 'दुरुपयोग' का सिलसिला कायम रहा। अनेक मामलों में यह देखने में आता है कि सरकारें अपने कटु आलोचकों अथवा राजनीतिक विरोधियों को सबक सिखाने के लिए इस कानून का बेजा इस्तेमाल करती हैं। राजद्रोह कानून के मनमाने इस्तेमाल के सिलसिले के बीच बीते दिनों इस कानून को रद करने की मांग वाली एक याचिका की सुनवाई करते हुए सवीच्च न्यायालय ने जब केंद्र सरकार से राय जाननी चाही तो पहले तो उसने इस कानून को बनाए रखने की पैरवी की, लेकिन फिर प्रधानमंत्री की अप्रासंगिक कानूनों को खत्म करने की पहल का हवाला देते हुए उस पर पुनर्विचार का भरोसा दिया और इसके लिए तीन माह का समय मांगा। इसके बावजूद सवीच्च न्यायालय ने न केवल इस कानून के इस्तेमाल पर रोक लगा दी, बल्कि इसकी समीक्षा होने तक ऐसे मामलों में कोई कदम न उठाने का आदेश भी दे दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निणर्य में जिस तरह यह कहा कि किसी के भी खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज नहीं होगा, उससे उन तत्वों को बल नहीं मिलना चाहिए, जिनका आचरण वास्तव में राजद्रोह के दायरे में आता है। सुप्रीम कोर्ट का अंतिम निणर्य कुछ भी हो, किंतु ऐसे किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता कि राजद्रोह का प्रत्येक मामला सरकार की मनमानी का परिचायक ही होता है।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध हालात में मासूम लापता

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। भंगेल गांव में रहने वाला मासूम शनिवार सुबह संदिग्ध हालात में लापता हो गया। परिजनों ने बच्चे की काफी तलाश की मगर कोई सुराग नहीं लगा। इस मामले में पीड़ित परिजनों ने फेज 2 थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।भंगेल में सचिन परिवार के साथ रहते हैं। बताया गया है कि वह एक स्कूल में यूकेजी का छात्र है। शनिवार सुबह आठ बजे वह संदिग्ध हालात में अपने घर से लापता हो गया। परिजनों ने बच्चे की आस-पास के क्षेत्र में काफी तलाश की, मगर बच्चे के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसके बाद पुलिस बच्चे की तलाश शुरू कर दी है। इसके अलावा बच्चे के परिजनों ने सोशल मीडिया के माध्यम से भी बच्चे की फोटो शेयर करते हुए मदद की गुहार लगाई है।

दिल्ली-जयपुर हाइव पर भीषण हादसा

रेवाड़ी। दिल्ली जयपुर हाईवे पर मंगलवार की सुबह हुए भीषण हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वाले सभी जयपुर के गांव सामोद के रहने वाले थे और क्रूजर गाड़ी में हरिद्वार से वापस लौट रहे थे। क्रूजर गाड़ी हाईवे पर गाड़ी के निकट एक ट्रक से टकरा गई। हादसे में करीब 12 लोग घायल भी हुए हैं सभी घायलों को बावल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। बावल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार जिला जयपुर के गांव सामोद निवासी मालूराम अपने पिता की अस्थियां बनाने के लिए सब जने रिश्तेदारों के साथ हरिद्वार गए थे। मंगलवार की सुबह सभी लोग क्रूजर गाड़ी में वापस जयपुर की तरफ जा रहे थे। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर गांव ओढ़ी के निकट क्रूजर गाड़ी की टक्कर एक ट्रक से हो गई। हादसा इतना भीषण था कि क्रूजर गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में मालूराम, महेंद्र कुमार, आशीष, सुगना व भोरी देवी की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वाले सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं।

रोटरी कल्ब ग्रीन ग्रेनो ने जिला न्यायालय में लगवाये वाटर कूलर

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा द्वारा डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के सहयोग से डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में आवश्यकता थी। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा ने जानकारी मिलते ही एक 400 ली0 व एक 150 ली0 कपैसिटी का वाटर कूलर लगवाने का प्रबंध कर दिया। इसके लगने

दो वाटर कूलर लगाए गये। जिनका शुभारंभ हाईकोर्ट से आये जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल जी एवं डिस्ट्रिक्ट जज श्री अशोक कुमार जी के कर कमलों द्वारा किया गया। बार के अध्यक्ष व रोटरी क्लब के सदस्य सुशील भाटी जी ने बताया कि न्यायालय परिसर में प्रतिदिन हज़ारों की संख्या में लोग आते है जिन्हें गर्मी से राहत दिलाने के लिये प्रांगण मैं वाटर कूलर की से कोर्ट आने वाले फरियादियों को गर्मी से कुछ राहत अवश्य मिलेगी इस अवसर पर बार सेक्रेट्री सुनील नागर, क्लब से रो0 मंजीत सिंह, रो0 मनोज गर्ग, रो0 सौरभ बंसल, रो0 एम पी सिंह, रो0 विनोद कसाना, रो0 के के शर्मा, रो0 अमित राठी, रो0 विजेंद्र भाटी, रो0 जितेंद्र चौहान, रो0 शैलेश वार्ष्णेय, रो0 विजय शर्मा, रो0 अतुल जैन, रो0 अजीत सिंह व अन्य लोग मौजूद रहे।

बारात आई तो दूल्हे और बारातियों को जान से मार दूंगा, सनकी प्रेमी ने दी प्रेमिका को खुली धमका

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा।में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल दनकौर कस्बा निवासी एक युवती की 3 दिन बाद शादी है। मगर एक युवक उस पर शादी न करने का दबाव बना रहा है। बताया गया कि वह युवती का प्रेमी है। उस युवक ने धमकी दी है कि अगर युवती की बारात आई तो वह दूल्हे व बारातियों को जान से मार देगा। युवती के भाई ने मामले की शिकायत दनकौर पुलिस से करके सुरक्षा की गुहार लगाई है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। दनकौर कस्बे में आगामी 19 मई को एक युवती की बारात आनी है। युवती के भाई ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि उनका पड़ोसी एक व्यक्ति विगत कुछ दिनों से उनकी बहन को फोन पर धमकी दे रहा है।आरोप है कि रविवार की सुबह भी फोन पर आरोपी ने बारातियों पर हमला करने की बात कही है। आरोपी युवती पर शादी न करने का दबाव बना रहा है। पीडि़ित ने बताया कि आरोपी युवक ने उनकी गली में आना-जाना ज्यँएएएएएएएएएएादा कर दिया है।

धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने, अवैध निर्माण और मेवात ढाबों को लेकर सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)

झाँसी। हिंदू जागरण मंच द्वारा 3 सूत्रीय मांगों को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को जिलाध्यक्ष जयदीप खरे के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष जयदीप खरे ने बताया कुछ समय से असामाजिक तत्वों द्वारा झांसी का सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है 14 मई को अयोध्या पुरी कॉलोनी के पास भगवान शिव की मूर्ति को कुछ आपराधिक तत्वों द्वारा खंडित करके नाली में फेंक दिया गया था उसी के पास गणेश चौराहे पर स्थित शिव मंदिर को भी खंडित करके नंदी की मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया गया मोहल्ले वासियों द्वारा मूतिर्यां तो बरामद कर ली गई लेकिन इस घटना से हिंदू समाज एवं क्षेत्रवासियों में रोष एवं आक्रोश व्याप्त है संगठन का मानना है हिंदू भावनाओं को ध्यान में रखते हुए खंडित मूतिर्यों को सही करवा कर हिंदू रीति रिवाज के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा की जाए और दोषी अपराधियों को संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर दंडित किया जाये। साथ ही मिनर्वा चौराहे के पास स्थित जिला अस्पताल के आपातकाल द्वार के अंदर एक अवैध मजार का निर्माण किया गया है एवं आसपास किले की बाउंड्री के चारों तरफ कई छोटी-छोटी मजारे बना दी गई हैं जो कि शासन की मंशा के विपरीत है इन मजारों को अतिक्रमण के अंतर्गत हटाया जाना आवश्यक है। इसके

अतिरिक्त झाँसी जिले से ललितपुर जिले की सीमा तक हाईवे पर काफी संख्या में मेवात ढाबों का अवैध निर्माण किया गया है जो कि अतिक्रमण करके बनाए गए हैं यह सभी ढाबे व्यभिचार, गौ-तस्करी एवं अनेक अनैतिक गतिविधियों का केंद्र बने हुए हैं शासन द्वारा इसकी जांच कराकर उचित दंडात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए हिंदू जागरण मंच ने चेतावनी दी है यदि जल्द से जल्द इन बिंदुओं पर कार्यवाही नहीं होती तो संगठन बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा इस दौरान विभाग कार्यध्यक्ष किशोर तिवारी, जिला उपाध्यक्ष विवेक अरोरा, जिला कोषाध्यक्ष धनेन्द्र जैन, जिला महामंत्री अमर रायकवार, जिलाध्यक्ष युवावाहिनी छोटू कुशवाहा, महानगर महामंत्री युवावाहिनी कार्तिकाय पचौरी, महानगर अध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह रजावत आदि भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत बच्चों के लिए पाठशाला की शुरुआत

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। नेफोवा ने गरीब जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए सर्व शिक्षा अभियान की पुनः शुरुआत की है। ऐस स्पायर सोसाइटी के पास झुग्गियों में रहने वाले बच्चों के लिए सर्व शिक्षा अभियान के तहत पाठशाला शुरू की है। नेफोवा अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना रहे। इसी को ध्यान में रखते हुए सर्व शिक्षा अभियान की जिम्मेदारी शशि बाला और पल्लवी गुप्ता को दिया गया है। ऐसे में ऐस स्पायर सोसाइटी के समीप बिल्डर साइट पर रहने वाले बच्चों को शिक्षित करने की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने बताया कि पाठशाला शुरू करने के 2 दिन पहले झुग्गियों में जाकर बच्चों और उनके माता पिता से बात कर जानकारी इकट्ठा किया। बच्चों को पढ़ाई के लिए किताब, कॉपी, पेंसिल, रबर, शार्पनर प्रदान किया। पाठशाला में 25 बच्चों ने हिस्सा लिया। इस दौरान शशि बाला, पल्लवी गुप्ता, शीला खरे और अनुपम सिंह, अभिषेक कुमार, मनीष कुमार, विकास कटियार, रोहन भगत, सागर गुप्ता, प्रतीक गुप्ता, सुहैल अकबर, समीर भारद्वाज, रंजना भारद्वाज, भावना गौर, ज्योति जैसवाल, बरणाली महेला, तनु भार्गव शामिल रहे।

भारत युवा परिषद ने शिविर लगाकर ई श्रम कार्ड बनवाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर 93 के बी डी एस मार्केट में भारत युवा परिषद ने ई श्रम कार्ड बनवाने का शिविर लगवाया। इस शिविर में सेक्टर 93 ,92 ,82 गेझा गाँव,एस के वन के लोगों ने भारी संख्या में पहुंच कर अपना ई श्रम कार्ड बनवाया । भारत युवा परिषद के कार्य कर्ताओ ने घर घर जाकर लोगों को इसकी जानकारी दी जिसके कारण शिविर में काफी संख्या में लोग उपस्थित हुए और अपना ई श्रम कार्ड बनवाया। इस मौके पर आदेश त्यागी कौशिक(अध्यक्ष भारत युवा परिषद संस्था), अतुल त्यागी भाजपा नेता,श्रीमती संतोष सिह (अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा मंडल),नितिन त्यागी, नीरज भारद्वाज, विवेक रावत,राजेश गुप्ता आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीटू कार्यकर्ताओं की हुई बैठक, बढ़ते श्रमिक उत्पीड़न के खिलाफ अभियान चलाकर होगा आंदोलन गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। श्रमिकों की बढ़ती परेशानियों को लेकर सीटू कार्यकर्ताओं की बैठक सूरजपुर पार्क ग्रेटर नोएडा में हुई। बैठक की जानकारी देते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी घटते वेतन व बुलडोजर और उद्योगपतियों के लिए मुनाफे दूसरी और श्रमिक शोषण की खुली छूट आदि मुद्दों पर सीटू कार्यकर्ता मई माह में जनसंपर्क अभियान चलाकर बड़े आंदोलन की तरफ जाएंगे। बैठक को संबोधित करते हुए सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य महासचिव अनुराग सक्सेना ने कहा कि मालिकों और सरकार ने कोरोना के पीछे छुप कर मजदूरों की पीठ में छटनी, तालाबंदी, वेतन कटौती और बेरोजगारी का जो वार करना शुरू किया वह हर दिन गहरा होता जा रहा है, करोड़ों करोड़ लोग बेरोजगार हो गए हैं इसी कोरोना के दौर में पुराने श्रम कानूनों को खत्म करके मजदूरों को गुलामी की तरफ धकेलने के लिए चार लेबर कोड बनाए गए हैं । उन्होंने श्रमिकों की बढ़ती तकलीफो व परेशानियों को रेखांकित करते हुए एकजुट होकर मजदूरों को लड़ने के लिए प्रेरित किया। बैठक में सीटू सेंटर से कामरेड सुजीत, सीटू जिला का नेता मुकेश कुमार राघव, मोहम्मद फिरोज, रामस्वारथ, ममता, निशा, महेश सुखलाल, अमीचंद आदि ने हिस्सा लिया।

साइबर का डिजिटल वरदान हो रहा अभिशाप साबित,कैसे बचा जाए इस अभिशाप से

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। विश्व की चहुंमुखी प्रगतिशीलता के संदर्भ में साइबर या डिजिटल आविष्कार वरदान है। मार्केट से लेकर मिसाईल तक,पढ़ाई से लेकर चुनाव तक,रोज़गार से लेकर शासन-प्रशासन तक,मेडिकल से लेकर मौज-मस्ती तक,जन्म से लेकर मरण तक,हर क्षेत्र में साइबर अर्थात् इलेक्ट्रानिक कम्?युनिकेशन की पैठ है और अंतरंग निर्भरता है। परंतु कुछ प्रतिशत लोग साइबर के उपलब्ध संसाधनों क निर्दयता,क्रूरता,कपटपूर्णता और अनभिज्ञता से दुरुपयोग कर साइबर की उपादेयता और वरदान को अभिशाप में बदल देते हैं। ऐसे लोग साइबर दुश्मन हैं जो देश में चहुमुखी प्रगतिशीलता की रफ्तार पर विपरीत असर डालते हैं। अतः केंद्र सरकार ने साइबर दोस्त की परिकल्पना के माध्यम से जनता को साइबर जगत के प्रति जागरूक करने का देशव्यापी अभियान चला रखा है। साथ ही साइबर से संबंधित अपराध करने वालों के विरुद्ध कड़ी प्रभावी वैधानिक कार्यवाही का भी शंखनाद किया गया है। हर क्षेत्र में साइबर का अपराध करने वाला व्यक्ति कुछ मूलभूत कारणों से अपने आपराधिक मंसूबों में कामयाब हो पाता है। जैसे कि जनता में लालच की प्रवृत्ति,लापरवाही, अनभिज्ञता और साइबर आक्रमण के विरुद्ध प्रभावी संसाधन की अभावग्रस्त व्यवस्था। जनता साइबर,आक्रमण का शिकार कैसे बनती है, साइबर दोस्त द्वारा उससे बचने के कारगर उपाय और सावधानियां,कुछ उदाहरणों सहित इस प्रकार है हैकर- गुड मार्निंग,मैडम आप 25 लाख का लकी ड्रा जीत गई हैं पीड़िता- अछा ब्दल् मुझे बेटे की शादी भी करनी है,भगवान ने सुन ली । हैकर- अच्छा मैडम अब जदी पैसा ट्रांसफर करने के लिए अपना बैंक अकाउंट/ कार्ड नंबर, बताइएगा । पीड़िता- बस इतनी सी बात चश्मा लगाकर अभी बताती हूँ। थोडी देर में बैंक का का मैसेज आता है कि आपके एकाउंट से 30 लाख निकल गए हैं, क्या आपने निकाले हैं पीड़िता- बैंक मैसेज पढते ही उस लकी ड्रा वाले नंबर पर रिंग करी तो रिप्लाई आता है कि ये नंबर आस्तित्व में नहीं है (मराठी में सुनाई देता है) तब महिला रोते हुए हाय मेरा उझ्झ का पैसा मै लुट गई और बेहोश हो जाती है। पति और बच्चों को जब पता चलता है तो वे महिला को खूब सुनाते हैं। अतः कभी किसी से अपनें बैंक अकाउंट नंबर, और शेयर न करें। साथ ही इस बात की गांठ बांध लें कि कभी भी बैंक का प्रशासन इन सबकी जानकारी,ऑनलाइन, टेलीफोनिक कॉल, एशए आदि के माध्यम से नहीं मांगता है क्योंकि उनके डाटाबेस में उपलब्ध रहती है। कभी भी स्कैन न करें यदि उसे भेजने वाला अपरिचित है। अनेक ऑनलाइन अर्निंग एप धोखाधड़ी से जनता से उनकी व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त कर उससे और जैसे साइबर अपराध घटित करते हैं। और के माध्यम से साबर अपराधी जनता को मूर्ख बनाकर ई मेल, एसएमएस,कॉल और वेबसाइट से व्यक्तिगत जानकारी षड्यंत्रपूर्वक निकलवाने में सफल हो जाते हैं। साइबर ल्त्बहु में आरोपी धमकाते हैं,चमकाते हैं और उनको अपना गुलाम जैसा बना डालते हैं। इस प्रकार लोग साइबर ग्हु का शिकार हो जाते हैं जिसमें ऑनलाइन किसी से लगातार और अवांछित संपर्क करके धमकी,मानहानि,यौन उत्पीड़न या अन्य कार्यों सहित कई घटनाओं को अंजाम देते हैं।अतः अजनबी और अनजान लोगों को अपनी व्यक्तिगत जानकारी शेयर न करें। साइबर भी एक साइबर अपराध है जिस में एक ही केबल से चार्जिंग करते हुए साइबर अपराधी सिस्टम में मैलवेयर या वायरस डालकर महत्वपूर्ण जानकारी खींच लेता है। ु एक तरह का साइबर फ्रॉड है,जिसमें स्मार्ट फोन,टैबलेट या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से चार्जिंग पोर्ट का उपयोग करके डेटा कॉपी किया जाता है जो वास्तव में डेटा कनेक्शन और चार्जिंग दोनों के लिए उपयोग किया जाता है। पीडित को लगता है कि वह सिर्फ चार्जिंग पोर्ट ही है। साइबर अपराधी कंप्यूटर के हार्डवेयर,साफ्टवेयर,एप आदि में मेलवयर,रैनसम वेयर और ट्रोजनहार्स जैसे सिस्टम को ध्वस्त कर देने वाले वायरस कपटपूर्ण तरीके से डाल देते हैं। गृहमंत्रालय भारत सरकार की जनहित में साइबर दोस्त की अनूठी पहल में दी गई साइबर अवेयरनेस से संबंधित सावधानियों का उल्लेख लेखक डॉ. डी.सी. सागर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के आलेख के भाग-2 में प्रस्तुत किया जायेगा,साथ ही सायबर अपराध से संबंधित शिकायत करने की ऑनलाइन प्रक्रिया एवं साइबर हेल्पलाइन न्द.1930) पर प्रकाश डाला जायेगा।

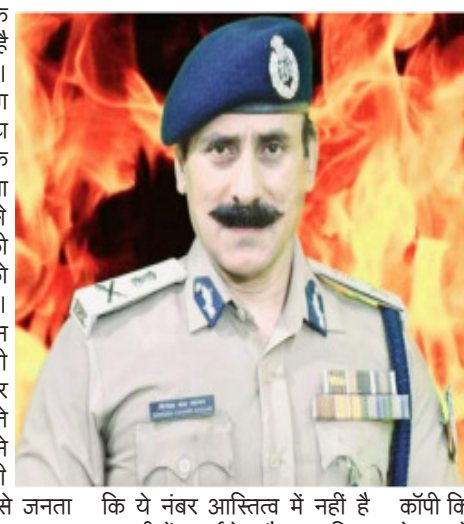

मेरा वार्ड-मेरा देश के मूल मंत्र को अपनाएं वार्ड प्रभारी कलेक्टर नगरपालिका के समस्त अमला स्वच्छता में निभाए अपना योगदान कलेक्टर......................

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। 14 मई 2022- कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने निर्देश देते हुए कहा कि नगर पालिका शहडोल के समस्त वार्डों के प्रभारी मेरा वार्ड-मेरा देश के मूल मंत्र को अपनाएं अपने वार्ड को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने हेतु अपना योगदान प्रदान करें। कलेक्टर ने कहा कि स्वच्छता कोई काम नहीं है बल्कि ये एक अच्छी आदत है, जिसे हमें अच्छे स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन के लिये अपनाना चाहिए। स्वच्छता पुण्य का काम है जिसे जीवन का स्तर बढ़ाने के लिये, एक बड़ी जिम्मेदारी के रुप में हर वार्ड प्रभारी को इसका अनुकरण करना चाहिये। कलेक्टर ने सभी वार्ड प्रभारियों को निर्देशित किया कि स्वच्छता कोई कठिन कार्य नहीं है बस जरूरत है लगन और मेहनत की। आप सभी वार्ड प्रभारी अपने लगन और मेहनत के कारण शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बना सकते हैं। उक्त निर्देश कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य आज नगर पालिका शहडोल के सभागार में आयोजित स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान प्रगति की समीक्षा बैठक में दिए।बैठक में कलेक्टर ने नगर पालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण दल शहर में आने वाली है। जिस हेतु शहर को और अधिक स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की आवश्यकता है। कलेक्टर ने निर्देशित किया किस शहर में किसी भी प्रकार की कोई गंदगी दिखाई नहीं देनी चाहिए। शहर की सड़कों को साफ एवं स्वच्छ रखें, शहर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों को चिन्हित करें तथा उन स्थानों में बोर्ड लगाकर साफ एवं बड़े अक्षरों में उस स्थान का नाम लिखें इस हेतु नगरपालिका का अमला आपस में समन्वय स्थापित करते हुए मिलजुल कर कार्य करें। कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी शहडोल श्री अमित तिवारी से तालाबों के स्वच्छता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बैठक में कलेक्टर ने स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु लगे वार्ड प्रभारियों को निर्देशित किया कि सभी वार्ड प्रभारी सेवा भावना को दृष्टिगत रखते हुए नगर को स्वच्छ एवं सुंदर रखें। कलेक्टर ने रास्ते की नालियां साफ करने, शहर के विभिनन्‍ स्थानों के झाडि़यों को साफ करने एवं शहडोल नगर में टूटी-फूटी रेलिंग इत्यादि को व्यवस्थित कर सुदृढ़ बनाने के निर्देश नगर पालिका अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि नगर के विभिनन्‍ सड़कों के डिवाइडर में आकर्षित रंग रोगन कर चित्र बनाएं तथा चित्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु स्लोगन भी लिखें। इस दौरान कलेक्टर ने नगर के विभिनन्‍ सड़कों में घूम रहे पशुओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की तथा नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि अगर किसी भी स्थान पर आवारा पशु घूमते पाए गए तो उनके मालिकों के विरुद्ध जुर्माने कार्यवाही करें। इस दौरान कलेक्टर ने नेकी की दीवार एवं बर्तन बैंक इत्यादि के संबंध में भी मुख्य नगरपालिका अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। स्वच्छता संबंधी अन्य विभिनन्‍ विषयों पर भी चर्चा की गई। मुख्य नगरपालिका अधिकारी शहडोल श्री अमित कुमार तिवारी, नगर पालिका के श्री सुखेंद्र सिंह तोमर, श्री राजकुमार विश्वकर्मा, श्री धनंजय सिंह, श्री राम निवास बैगा, श्री अनिल महोबिया, श्री दुर्गेश चंद्र गुप्ता सहित स्वच्छता प्रभारी एवं नगर के विभिनन्‍ वार्डों के वार्ड प्रभारी उपस्थित थे।

दो समलैंगिक बहनों को हुआ आपस में प्यार, घरों से भागकर मंदिर में रचाई शादी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। दनकौर घर से गायब दो समलैंगिक युवतियों ने मंदिर में शादी कर ली। पुलिस ने दोनों युवतियों को बरामद किया तो मामले का खुलासा हुआ। अधिकारियों ने दोनों युवतियों को उनके मनचाहे स्थान पर पुलिस सुरक्षा में भेज दिया है ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र के एक गांव की युवती 20 अप्रैल को गायब हो गई थी। परिजन उसे कई दिन तक तलाशते रहे, मगर वह नहीं मिली। इसके बाद कोतवाली में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। उधर ,दिल्ली के अंबेडकर नगर के थाना क्षेत्र से भी उसी दिन एक और युवती गायब हुई थी। अंबेडकर नगर थाने में परिजनों ने भी उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दरअसल, अंबेडकर नगर से गायब हुई युवती दनकौर के एक गांव से गायब युवती के मामा की बेटी है। दोनों ने दिल्ली में एक मंदिर में शादी कर ली। दिल्ली पुलिस और दनकौर पुलिस काफी दिनों से गुमशुदा दोनों युवतियों की तलाश कर रही थी, लेकिन उनका सुराग नहीं लगा था। शादी के बाद दोनों युवतियां दिल्ली में किराये मकान में रह रही थीं। जांच के दौरान दनकौर पुलिस ने युवती को बरामद कर दिया। वह दुल्हन की वेशभूषा में थी और उसके साथ रह रही दूसरी युवती दूल्हे के रूप में मिली। दोनों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने स्वेच्छा से एक-दूसरे के साथ शादी कर ली है और वह एक-दूसरे के साथ ही रहना चाहती हैं। दोनों के परिजन कोतवाली आ गए और उन्हें समझाते रहे, मगर वह अपने फैसले पर अडिग रहीं। युवतियों के इस प्रसंग को लेकर दोनों के परिजन भी आपस में लड़ते नजर आए। वहीं, दोनों युवतियों ने स्पष्ट कहा कि वह बालिग है और एक दूसरे के साथ ही रहना चाहती है। दोनों युवतियों को उनकी सुरक्षा के चलते पुलिस ने एक रिश्तेदार के साथ उन्हें उनकी मर्जी के स्थान पर भेज दिया। दनकौर कोतवाली निरीक्षक राधा रमण सिंह ने बताया कि दोनों युवतियां समलैंगिक है, जिन्होंने शादी कर ली है।

अब पान मसाला के ऐड को लेकर हो रहे ट्रोल, लोग बोले बॉलीवुड अफोर्ड नहीं कर सकता

नई दिल्ली। महेश बाबू की चर्चा आजकल देशभर में हो रही है। फिल्म 'मेजर' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान उनसे बॉलीवुड फिल्मों में काम ना करने को लेकर सवाल पूछा गया, महेश बाबू ने जवाब में कह दिया कि 'बॉलीवुड मुझे अफोर्ड ही नहीं कर सकता, तो वहां टाइम क्यों वेस्ट करना'। महेश बाबू का ये बयान हिन्दी बेल्ट वालों को सख्त नागवार गुजरा । अब वो खोज खोज कर महेश बाबू के ऐसे बयान और वीडियोज ला रहे हैं जिनसे उन्हें ट्रोल किया जा सके। इसी क्रम में लोगों के

हाथ इस साउथ सुपरस्टार की एक पुरानी तस्वीर लग गई, जिसमें वो पान मसाला का ऐड करते नजर आ रहे हैं। बस फिर क्या था लोगों ने धड़ाधड़ सवाल पूछना शुरू कर दिया। महेश बाबू ने अपने 'बॉलीवुड कांट अफोर्ड मी' वाले बयान पर माफी मांग ली है पर लगता है लोग उन्हें बख्शने के मूड में नहीं हैं। एक्टर का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वो टाइगर श्रॉफ के साथ एक पान मसाला ब्रांड के ऐड का हिस्सा बने थे। यूजर्स ने अब महेश बाबू को उस ऐड पर ट्रोल करना शुरू कर दिया है। एक ट्विटर यूजर ने लिखा, 'बॉलीवुड महेश बाबू को अफोर्ड नहीं कर सकता, लेकिन पान मसाला कर सकता है। बता दें कि हाल ही में खबर आई थी कि साउथ के कई एक्ट्रेस ने पान मसाला ब्रांड का ऐड करने से मना कर दिया है। लोगों ने उनकी जमकर तारीफ भी की, साथ ही अजय देवगन, अक्षय कुमार और शाह रुख खान जैसे सुपरस्टार्स को आइना दिखाया। पर दूसरी तरफ तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री से आने वाले महेश बाबू पान मसाला का प्रमोशन करते नजर आ रहे हैं। लोगों इसे एक्टर का डबल स्टैंडर्ड बता रहे हैं। इनके बीच महेश बाबू की फिल्म 'सरकारु वारी पाटा' बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। रविवार को इसका कलेक्शन शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से करीब 20 करोड़ रुपए रहा। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि ऐसी परिस्थिती में जबकि बॉलीवुड की बड़ी-बड़ी फिल्मों की बॉक्स ऑफिस पर धज्जियां उड़ रही हैं, ये तेलुगु फिल्म कितना कमाती है।

'केजीएफ 2' से पिटी 'जयेशभाई जोरदार', तीसरे दिन ही निकला दम, कमाए सिर्फ इतने रुपए

नई दिल्ली। 3 रणवीर सिंह की जयेशभाई जोरदार का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल है। फिल्म तीन दिनों में 12 करोड़ का भी बिजनेस नहीं कर पाई। सनडे को कमाई में कुछ उछाल आया जरूर पर वो भी नाकाफी साबित हुए। वहीं रिलीज के 32वें दिन भी के भी 'केजीएफ चैप्टर 2' का हिन्दी वर्जन में दबदबा रहा। दूसरी तरफ महेश बाबू की 'सरकारु वारी पाटा' बिजनेस के मामले में 100 करोड़ से आगे निकल गई है। बॉक्स ऑफिस पर रविवार को सबसे बुरा हाल फिल्म रणवीर सिंह की 'जयेशभाई जोरदार' का हुए। फिल्म अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी सनडे को सिर्फ 4.45 करोड़ का ही बिजनेस कर पाई। हालांकि ये आंकड़ा फिल्म की कमाई का अबतक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। 'जयेशभाई जोरदार' का पहले वीकेंड का कलेक्शन रविवार की कमाई मिलाकर 11.70 करोड़ रुपए का

हो चुका है। वहीं अगर बात करें तो लेकिन ये यशराज फिल्म्स और रणवीर सिंह दोनों की ब्रांड वैल्यू के हिसाब से कुछ भी नहीं है। फिल्म ने शुक्रवार को 3.25 करोड़ रुपए की ओपनिंग ली थी और फिल्म का दूसरे दिन यानी शनिवार को कलेक्शन सिर्फ चार करोड़ रहा। केजीएफ चैप्टर 2 बॉक्स ऑफिस पर अपनी बादशाहत अभी भी कायम रखे हुए है। इस फिल्म ने अपनी रिलीज के 32वें दिन यानी रिलीज के बाद के पांचवें रविवार को बॉक्स ऑफिस पर पांच करोड़ की शानदार कमाई की है। आंकड़ों के हिसाब से इन पांच करोड़ में अकेले हिन्दी के ही 3 करोड़ शामिल हैं। फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन अब तक 840.72 करोड़ रुपये हो चुका है। फिल्म की हिन्दी में कमाई 425 करोड़ के पार चली गई है। अब मेकर्स की निगाहें 450 करोड़ के लक्ष्य पर टिकी हैं। बात अगर ब्रांड वैल्यू की करें तो एक फिल्म के लिए 70 करोड़ से ज्यादा चार्ज करने वाले रणवीर सिंह की 83 भी बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास करिश्मा नहीं कर पाई थी। फिर आई जयेशभाई जोरदार जो 3 दिन में 12 करोड़ भी नहीं कमा पई। ऐसे में रणवीर सिंह की ब्रांड वैल्यू का खासा झटका लग सकता है।

'धाकड़' में दिव्या दत्ता ने अपने किरदार को लेकर की बात

नई दिल्ली। एक्ट्रेस कंगना रनोट की फिल्म 'धाकड़' इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। फिल्म के ट्रेलर रिलीज से ही इस फिल्म के एक-एक किरदार की तारीफें हो रही हैं। इनमें से एक है दिव्या दत्ता,

जो इस फिल्म में माफिया की भूमिका निभाती हुई नजर आएंगी। ट्रेलर में दिव्या के रोल की काफी दिलचस्प झलक देखने को मिली। जिसे लेकर अदाकारा ने कहा है कि उन्होंने अब तक ऐसा खतरनाक किरदार कभी नहीं निभाया है। दिव्या ने आईएएनएस को बताया, मैंने फिल्म में रोहिणी जैसी बदमाश का किरदार कभी नहीं निभाया। वह माफिया है, वह एक ही समय में मतलबी, स्वादिष्ट, सांवली और सेक्सी है। मुझे नहीं पता कि कैसे लेकिन हर बार एक्शन और कट के बीच, कुछ अलग, मेरे अभिनय में चरित्र के कुछ बहुत ही मतलबी लक्षण सामने आएंगे और हमारे निर्देशक मुझसे पूछते है, 'यह दरिद्रता दिव्या में कहां से आ रही है?' मैं हंसती और जवाब देती, 'मुझे इसके लिए दोषी मत ठहराओ!ठ दिव्या ने आगे कहा, ठईमानदारी से कहूं तो, जितना ज्याद हम कैरक्टर का पता लगाते हैं, हमें इंसान के दिमाग की उतनी ही गहरी समझ मिलती है और एक अभिनेता के लिए, यह एक आत्म-खोज भी है। एक तरफ, मैं 'मां' में मंजीत कौर का किरदार निभा रही हूं। मेरी पंजाबी फिल्म जो एक हफ्ते पहले रिलीज हुई थी, और फिर वही मैं हूं, रोहिणी, एक माफिया की भूमिका निभा रहा हूं! मैं अपना काम जीता हूं, इसलिए, मुझे मां से माफिया तक खेलने का मौका मिलता है! कंगना की इस फिल्म का निर्देशन रजनीश घई ने किया है। जबकि दीपक मुकुट और सोहेल मकलई ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है। फिल्म में कंगना और दिव्या दत्ता के अलावा अर्जुन रामपाल शारिब हाशमी व शाश्वत चटर्जी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में कंगना जबरदस्त एक्शन सीन्स करती हुई नजर आने वाली हैं। 'धाकड़' 20 मई, 2022 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। जिसे हिंदी के आलावा तमिल, तेलुगू और मलयालम में रिलीज किया जाएगा।

शाहीन भट्ट ने आलिया रणबीर की शादी वन मंथ एनिवर्सरी के मौके पर साझा की अनदेखी तस्वीर

नई दिल्ली। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी को शनिवार को एक महीना पूरा हो चुका है। इस खास पल को आलिया और रणबीर एंजॉय करते हुए दिख रहे हैं। अब उनकी बहन शाहीन भट्ट ने एक आलिया-रणबीर के मेंहदी

की अनमोल तस्वीर साझा की है। शाहीन भट्ट द्वारा शेयर इस तस्वीर में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर फिल्म निर्देशक अयान मुखर्जी के साथ नजर आ रही हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि रणबीर आलिया भट्ट को किस करते हुए दिख रहे हैं। इस अनदेखी तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, ये एक बेहतरीन महीना रहा है। हाल ही में रणबीर कपूर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने लकी नंबर के बारे में बात करते हुए कहा, नंबर 8 के साथ एक अजीब से आकर्षण है, क्योंकि 8 जुलाई को उनकी मां का जन्मदिन है और उन्होंने आगे कहा, ये नंबर जिस तरह से दिखता है, जब इसको हॉरिजेंटल करते हैं। तो ये अनंत (इन्फिनिटी) की तरह दिखता है। वहीं, आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वो एक मध्यम वर्गी परिवार की लड़की का रोल निभा रही हैं। फिल्म में उनके साथ अभिनेता रणवीर सिंह मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। जबकि दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और शबाना अज़ामी रणवीर सिंह के पिता का किरदार निभा रहे हैं। हाल ही में निर्देशक करण जौहर ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 10 फरवरी, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, रणबीर कपूर अपनी फिल्म एनिमल को लेकर काफी चर्चा में है। इस फिल्म में वो पुष्पा फेमस एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के साथ मुख्य किरदार में नजर आने वाली है। हाल ही में उनकी कई वीडियोज मनाली सेट से वायरल हुई थी, जिसमें वो ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रहे है।

कंगना रनोट ने स्टार किड्स पर निकाली भड़ास, बोलीं 'देखने में भी अजीब से ऐसे लगते हैं, जैसे उबले हुए अंडे'

नई दिल्ली। कंगना रनोट फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बेबाक अभिनेत्रियों में से एक हैं। हाल ही में अपनी फिल्म धाकड़ का प्रमोशन कर रही कंगना काफी फायर मूड में नजर आ रही हैं। एक-एक करके उन्होंने इंडस्ट्री के सारे दिग्गजों पर निशाना साधा है और अब बारी थी स्टार किड्स की, तो कंगना उन्हें कैसे छोड़ देती। 4 नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली कंगना ने बॉलीवुड के स्टार किड्स के लिए जो कहा, उसे सुनकर

आपकी हंसी छूट जाएगी। दरअसल, एबीपी लाइव को दिए एक इंटरव्यू में कंगना ने खुलकर अपनी बात रखी। कंगना का कहना था कि पिछले कुछ समय से बॉक्स ऑफिस पर तेलुगु और कनन्ड़ फिल्में धमाल मचा रही हैं। उन्होंने सभी को पीछे छोड़ दिया है। 'आरआरआर' और 'केजीएफ चैप्टर 2' दोनों ने ही 100 करोड़ से अधिक की कमाई की है। वहीं, पुष्पा द राइज ने भी हिन्दी बेल्ट पर 100 करोड़ का बिजनेस किया। इन फिल्मों के हिन्दी वर्जन ने बॉलीवुड फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर पानी पिला दिया है। कंगना का मानना है ऐसा इसलिए क्योंकि दर्शक स्टार किड्स को पसंद नहीं करते हैं और बॉलीवुड में ऐसों की ही फिल्में दी जाती हैं। इस बारे में बात करते हुए कंगना रनोट ने आगे कहा कि साउथ फिल्ममेकर्स अपने दर्शकों के साथ जुड़े होते हैं। यह जुड़ाव काफी मजबूत होता है। उन्होंने आगे कहा कि बॉलीवुड में स्टार किड्स पढ़ाई के लिए विदेश जाते हैं फिर वे अंग्रेजी में बात करने लगते हैं और हॉलीवुड फिल्में ही देखते हैं। वह चाकू और कांटे से खाते हैं और उनका एक्सेंट भी अलग होता है। इसके बाद कंगना ने जो कहा उसे सुनकर आपको भी हंसी आ जाएगी। कंगना आगे कहती हैं, 'ये स्टार किड्स देखने में भी अजीब से ऐसे लगते हैं, जैसे उबले हुए अंडे। उनका पूरा लुक बदल गया होता है और लोग उनसे कनेक्ट नहीं कर पाते।' सफाई देते हुए कंगना आगे कहती हैं, 'मेरे कहने का मतलब किसी को ट्रोल करना बिल्कुल भी नहीं है।' इतना ही नहीं, कंगना ने साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन का उदाहरण भी दिया और कहा 'देखो पुष्पा कैसे दिखता है जिसे हम जानते हैं, हर मजदूर उससे जुड़ पा रहा है। आज के समय में हमारा कौन सा हीरो मजदूर की तरह दिख सकता है, इस रोल में फिट बैठ सकता है।बता दें कि अपनी हर फिल्म से पहले कंगना ऐसे ही बयान देती हैं। 20 मई को उनकी फिल्म धाकड़ सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। ये एक स्पाई एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसमें कंगना के साथ अर्जुन रामपाल और दिव्या दत्ता भी नजर आने वाले हैं।

इस प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है जॉन अब्राहम की सुपर सोल्जर फिल्म

नई दिल्ली। जॉन अब्राहम स्टारर भारत की सबसे बड़ी साइंस एक्शन फिल्म 'अटैकः पार्ट 1' अपने वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म में जॉन अब्राहम, जैकलीन फर्नांडीज और रकुल प्रीत ने लीड रोल प्ले किया है। साथ ही ये ये देवा किया जा रहा है कि अटैक हाई-ऑक्टेन एक्शन, रोमांस

और ड्रामा वाली पहली भारतीय सुपर सोल्जर फिल्म है 'अटैकः पार्ट 1' 27 मई को जी5 पर स्ट्रीम होने वाली है। इसे एक साथ 190 देशों में ओटीटी पर देखा जा सकेगा। इसी साल 1 अप्रैल को रिलीज हुई अटैक का बॉक्स ऑफिस पर सफर कुछ खास अच्छा नहीं था। फिल्म ने पहले वीकेंड में सिर्फ 11 करोड़ की नेट कमाई कर पाई थी। अटैक का सामना सिनेमाघरों में आरआरआर से हुआ , जिसके आगे जॉन की ये फिल्म पस्त नजर आई थी। जॉन अब्राहम की फिल्म अटैक बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह असफल रही थी। फिल्म को लेकर जॉन अब्राहम ने एक स्टेटमेंट जारी किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस फिल्म पर उन्हें गर्व है। सोशल मीडिया में साझा किये गये स्टेटमेंट में जॉन ने कहा- 'इस फिल्म के लिए हमें जो भी प्रशंसा मिली, कुछ नया और अलग स्वीकार करने के लिए दर्शकों का बहुत शुक्रिया। अटैक हमारी तरफ से इंडस्ट्री को कुछ नया देने के लिए एक ईमानदार प्रयोग था। महामारी की तीन लहरों को पार करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन हमें जो चाहिए था, हमने किया और मुझे इस फिल्म पर पूरा नाज है। अटैक टीम के हर सदस्य का शुक्रिया, जिन्होंने अपनी ओर से पूरा मेहनत की।' बता दें कि फिल्म 'अटैक पार्ट वन' एक ऐसे सुपरसोल्जर की कहानी है जिसका गर्दन से नीचे का पूरा शरीर रीढ़ की हड्डी में गोली लगने के बाद बेकार हो जाता है और बाद में उसके शरीर को उसके दिमाग में चिप लगाकर दुरुस्त करने की कोशिश की जाती है। फिल्म में जॉन अब्राहम ने इस सुपरसोल्जर की भूमिका निभाई है और रकुल प्रीत सिंह उस वैज्ञानिक की भूमिका में हैं, जो इस सोल्जर को फिर से लड़ने लायक बनाती हैं।

इंडियन पुलिस फोर्स के सेट पर हुए चोटिल, रोहित शेट्टी के साथ सेल्फी खींचा कर दी जानकारी

नई दिल्ली। सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों रोहित शेट्टी की सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स की शूटिंग कर रहे हैंत् अब उन्होंने एक वीडियो और फोटो शेयर कर जानकारी दी है कि फिल्म के सेट पर वह चोटिल हो गए हैंत् वह सेट पर एक दमदार एक्शन सीन करते नजर आ रहे थेत् दोनों सीरीज की शूटिंग गोवा में कर रहे थेत् यह हादसा रविवार को हुआ हैत् दरअसल रोहित शेट्टी इन दिनों अमेजॉन प्राइम वीडियो के लिए एक सीरीज शूट कर रहे हैंत् इसी के एक्शन सीन को वह शूट

कर रहे थे सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर इस बात की जानकारी दी हैत् सिद्धार्थ मल्होत्रा को एक्शन सीन करते हुए देखा जा सकता है, जहां उन्हें चोट लग जाती हैत् रोहित शेट्टी इसका निर्देशन कर रहे थेत् एक्शन सीन शूट शेयर करने के अलावा उन्होंने एक फोटो भी शेयर की हैत् इसमें उनका घाव भी नजर आ रहा हैत् वहीं रोहित शेट्टी भी पीछे नजर आ रहे हैंत् दोनों के चेहरे पर मुस्कान हैत् वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है, 'रोहित शेट्टी असली एक्शन हीरो है.. यह असली पसीना और असली खून हैत् रोहित सर कैमरा पर थे और गोवा में एक जबरदस्त एक्शन सीन शूट कर रहे थेत सिद्धार्थ मल्होत्रा के हाथ पर घाव के निशान देखकर एक फैन ने लिखा है, 'कड़ी मेहनत का फल अच्छा मिलता हैत' वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'आपका यह समर्पण एक दिन आपको बहुत आगे लेकर जाएगात' एक ने लिखा है, 'यह शानदार है लेकिन अपना ध्यान रखिएत' रोहित शेट्टी ने हाल ही में गोवा के सेट से एक तस्वीर शेयर की थी, जहां वह शिप पर लेटे हुए थे और कैमरे से अच्छा शॉट लेने का प्रयास कर रहे थेत् रोहित शेट्टी ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था, 'गोवा, एक्शन मोड, इंडियन पुलिस फोर्स गौरतलब है कि इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबरॉय की भी अहम भूमिका हैत् पिछली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्म शेरशाह में नजर आए थेत् इसमें उन्होंने कैप्टन विक्रम बत्रा की भूमिका निभाई थीत् वह जल्द फिल्म मिशन मजनू में नजर आएंगे।

स्विमिंग पूल में बिकिनी पहन दिया बोल्ड पोज, 'छोटी बहू' का 'हॉट' अंदाज देख फैंस ने कहा

नई दिल्ली। रूबीना दिलैक ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैत् रुबीना दिलैक ने कुल 5 तस्वीरें शेयर की हैत् इसमें उन्हें अलग-अलग अंदाज में स्विमिंग पूल में बोल्ड

पोज देते हुए देखा जा सकता हैत् रुबीना दिलैक की तस्वीरें वायरल हो गई हैत् इसे 24 घंटे में सवा चार लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैंत् वहीं इस पर 21000 से ज्यादा कमेंट किए जा चुके है रुबीना दिलैक पहली तस्वीर में स्विमिंग पूल के किनारे नजर आ रही हैत् इसमें उनका टोंड फिगर भी नजर आ रहा हैत् वहीं अगली फोटो में वह कुछ सोचती नजर आ रही हैंत् वहीं इसकी बात की फोटो में वह स्विमिंग पूल को इंजॉय करती नजर आ रही हैत् अगली फोटो में रुबीना दिलैक सेल्फी लेती नजर आ रही हैत् वहीं चौथी फोटो में वह कैमरे की ओर देखकर बोल्ड पोज दे रही हैं, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है रुबीना दिलैक ने तस्वीरें बिकिनी और दिल की इमोजी के साथ शेयर की हैत् इसके अलावा उन्होंने इसे कई लोगों को टैग भी किया हैत् दरअसल रुबीना दिलैक द लीला होटल में रुकी हुई है और वह होटल के स्विमिंग पूल को इंजॉय करती नजर आ रही हैत् कई लोगों ने इस पर हॉट, ब्यूटीफुल, अमेजिंग, नाइस जैसे कमेंट किए हैंत् वहीं एक फैन ने लिखा है, 'कोई इतना हॉट कैसे हो सकता हैत' एक फैन ने लिखा है, 'वेरी ब्यूटीफुल बेबी रूबीना दिलैक बिग बॉस 14 की विजेता हैत् वह बिग बॉस में काफी फेवरेट प्रतियोगी के तौर पर उभर कर आई थीत् रुबीना दिलैक ने अभिनव शुक्ला से शादी की हैत् दोनों की जोड़ी काफी पसंद की गई थी।

आईआईएफए को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है

नई दिल्ली। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े अवॉर्ड शोज में से एक आईआईएफए (घ्ध्ईं) को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है। इस साल दुबई में होने वाला था, लेकिन अब

खबरें आ रही है कि शो को पोस्टपोन कर दिया गया है। यह फैसला यूएइ (संयुक्त अरब अमीरात) के प्रेसिडेंट शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के मृत्यु के चलते लिया गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान की मृत्यु के मद्देनजर, अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार 2022 (घ्ध्ईं), जो पहले 18 मई से अबू धाबी में होने वाला था। 22 मई तक के लिए टाल दिया गया है। इसके साथ अवॉर्ड शो की नई डेट को लेकर कहा जा रहा है कि स्टार-स्टडेड यह अफेयर अब 14 जुलाई, 15 जुलाई और 16 जुलाई को अबू धाबी में होगा। शुक्रवार को, शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के निधन पर यूएइ के राष्ट्रपति मामलों के मंत्रालय द्वारा 40 दिनों के शोक की घोषणा कर दी गई है। जो 13 मई से शुरू हो गया है। इस अनाउंसमेंट के बाद ही घ्ध्ईं आयोजकों ने शो को फिर से री-शेड्यूल करने का फैसला किया। हालांकि, अभी इस बात को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि या बयान जारी नहीं किया गया है। यूएइ के राष्ट्रपति के निधन पर घ्ध्ईं के आधिकारिक ट्विटर हैंडल द्वारा शोक व्यक्त किया गया था। शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा गया था, ठसंयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति महामहिम शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के निधन की दुखद खबर के साथ, हम उनके परिवार और संयुक्त अरब अमीरात के लोगों के साथ अपनी गहरी संवेदना साझा करते हैं। भगवान उन पर दया करें और उन्हें शाश्वत शांति प्रदान करें।बतो दें कि शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान लंबे समय से बीमार चल रहे थे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।